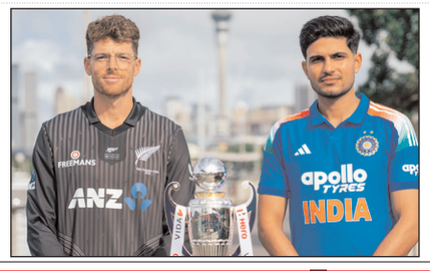
रायपुर। बुधवार, 04 नवम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 93/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल मैं चाहता था कि हमारी मजबूत टीम सभी 5 वनडे खेले...
@ विचार लोकसंस्कृति, परंपरा और विरासत का संगम है छत्तीसगढ़...
@ व्यापार ट्राई ने जारी किए नए दूरसंचार इंटरकनेक्शन नियम...

'आप संसद चलने दीजिए, सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार'

गृह मंत्री शाह ने विपक्ष को दी चुनौती



संवाददाता ■ रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे पर विपक्ष को चुनौती देते हुए कहा है कि सरकार इस विषय पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से संसद की कार्यवाही बाधित नहीं करने और सदन चलने देने की अपील की। गृह मंत्री शाह ने कहा कि विपक्ष एसआईआर पर चर्चा करना चाहता है तो सरकार इसके लिए तैयार है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव के समापन समारोह में शामिल होने अटल नगर-नवा रायपुर पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी मौजूद रहे। इस दौरान शाह ने छत्तीसगढ़ के गठन, राज्य के विकास, नक्सलवाद के खात्मे और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख किया।

गृह मंत्री शाह ने छत्तीसगढ़ के गठन का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को देते हुए कहा कि वर्ष 2000 में अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की थी। उस समय इस क्षेत्र के साथ अन्याय हो रहा था और इसका विकास रुका हुआ था। उन्होंने राज्य का गठन कर छत्तीसगढ़ को अलग पहचान दी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को संवारने और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाने का काम किया।

उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। यह राज्य के लिए गौरव, उपलब्धि और संकल्प का अवसर है। शाह ने इस उपलब्धि के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों के योगदान की सराहना की।

गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने हमेशा असंवैधानिक सरकारों और सांसदों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में जनता की ओर से चुनी हुई सरकार नहीं थी, वहां नक्सलियों ने अपना अलग गृह मंत्री, मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री बना रखा था। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस संविधान ने उन्हें ऐसी सरकार चलाने का अधिकार दिया था?

गृह मंत्री शाह ने आरोप लगाया कि नक्सलियों ने कई निर्दोष पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और छात्रों को पेड़ों पर लटकाकर फांसी दी। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद में ऐसे लोगों और व्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और लोक परंपराओं का भी उल्लेख किया।

नवा रायपुर में विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण, 2,500 पीपल के पौधे बने आकर्षण



केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नवा रायपुर के सेक्टर-16 में विकसित भारत संकल्प पार्क का लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मौजूद रहे। अमित शाह ने पार्क में पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

करीब 16 एकड़ में विकसित इस पार्क में 2,500 से अधिक पीपल और 500 से ज्यादा स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। 'पीपल सिटी' के रूप में नवा रायपुर को विकसित करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो की पिंक लाइन का किया उद्घाटन

बोले-12 वर्षों में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का हुआ कायाकल्प

एजेंसी ■ नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पुणे के मेट्रो पिंक लाइन का उद्घाटन किया। इस वहां मौजूद लोगों को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि त्योहारों की खुशियां तब और बढ़ जाती हैं, जब जीवन में कोई नई सुविधा जुड़ती है। आज पुणे के लोगों के लिए ऐसा ही एक सुखद अवसर है। मुझे खुशी है कि आज पुणे मेट्रो की एक और लाइन का लोकार्पण हो रहा है।'

पीएम मोदी ने कहा, '10 वर्ष पहले मुझे पुणे में पहले चरण के काम के शिलान्यास का अवसर मिला था। अब हिंजवड़ी से शिवाजी नगर के बीच मेट्रो शुरू होने से पुणे के एक बड़े आईटी हब को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। आज जिस नई लाइन पर काम शुरू हुआ है, उससे पुणे के पुराने और नए इलाकों के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मैं पुणे और महाराष्ट्र के सभी लोगों को बधाई देता हूं। पुणे शहर हमेशा से ऐसे विचारों का केंद्र रहा है, जिनसे राष्ट्र और समाज को नई दिशा मिली है। आज पुणे विकसित भारत की नई उर्जा को भी दिशा दे रहा है।'

उन्होंने कहा, 'आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मा, स्टार्टअप्स, इनोवेशन से लेकर मैन्यूफैक्चरिंग तक पुणे देश के युवाओं के लिए सपनों और संकल्प का स्थान है। ऐसे में मजबूत होती यहां की मेट्रो कनेक्टिविटी पुणे शहर के विकास को नई गति देने जा रही है। पुणे मेट्रो का लोकार्पण और इसका विस्तार यह दिखाता है कि विकसित भारत के लिए हम कैसे शहरों का निर्माण कर रहे हैं। पहले किसी शहर की पहचान उसके उद्योगों से होती थी या वहां के किसी प्रसिद्ध खान-पान या किसी प्रसिद्ध फल, फसल से होती थी। आज शहरों की पहचान के साथ दो और कसौटियां जुड़ गई हैं। पहला, कोई शहर कितना कॉम्पिटिटिव है और दूसरा, वहां ईज ऑफ लिविंग का क्या स्तर है? मेट्रो प्रोजेक्ट इन दोनों कसौटियों में किसी भी शहर को और बेहतर बनाता है।'

पीएम ने कहा, 'पुणे मेट्रो का जितना विस्तार हो रहा है, उससे समय भी बच रहा है और यहां के लोगों को ज्यादा सुविधा भी मिल रही है। हम सभी को पता है कि जब शहर का समय बचता है तो प्रोडक्टिविटी बढ़ती है। जब शहर की प्रोडक्टिविटी बढ़ती है तो देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलती है और जब अर्थव्यवस्था बढ़ती है तो गरीब और मीडिल क्लास दोनों को उसका फायदा होता है। आज का यह दिन प्रो-पीपुल, प्रो-ऐक्टिव और गुड गवर्नेंस का भी उदाहरण है।' उन्होंने कहा, '2014 तक देश में सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो चल रही थी। अगर वही पुरानी सोच चलती, पुरानी सरकार रहती, पुरानी कार्य संस्कृति रहती तो पुणे में मेट्रो को पहुंचने में कई दशक और लग जाते।

हालांकि 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया तो हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था कि शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लीविंग, ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन का नतीजा आज हम देख रहे हैं। बीते 12 वर्षों में देश में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का कायाकल्प हो चुका है।'

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार



एजेंसी ■ नई दिल्ली

वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं।

फाइनल के लिए भी 79 लाख आवेदन

टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। द्वुष्ष्ट के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिट्रेशन हुए हैं।

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे

वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलिकॉप्टर टकराए, भारतीय पर्यटक की मौत



नई दिल्ली। नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे।

हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं।

अमेरिका में मिडटर्म के लिए वोटिंग जारी तय होगा ट्रंप का राजनीतिक भविष्य

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के लिए मतदान



एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हो चुकी है। इनमें पहले लाखों लोग चुनाव के दिन से पहले ही अपना वोट डाल चुके हैं। आज से पहले अर्ली वोटिंग के आंकडों से पता चलता है कि पिछले चुनावों की तुलना में इस बार कौन से लोग वोट डालने आए हैं। पहला मतदान अमेरिकी समयानुसार शाम 6 बजे समाप्त होगा।

डेमोक्रेट्स को हाउस में बहुमत पाने के लिए 3 सीटें और सीनेट में जीत के लिए 4 सीटें चाहिए। चुनाव के दिन वे जेनेरिक कांग्रेसनल बैलेट में 9 अंकों की बढ़त के साथ उतरे हैं। रिपब्लिकन पार्टी की रणनीति की परीक्षा होगी, क्योंकि वे उन राज्यों में कोशिश कर रहे हैं, जो पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन का गढ़ माने जाते हैं। न्याय विभाग के अनुसार, सभी 50 राज्यों में लगभग 1,000 चुनाव पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। वहीं, चुनाव अधिकारियों के खिलाफ न्याय विभाग की सख्त कार्रवाई को रोकने वाला एक आपातकालीन आदेश, अपील अदालत द्वारा बहाल किए जाने के बाद भी लागू है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के लिए अहम परीक्षा साबित होंगे। इन चुनावों से तय होगा कि उनके कार्यकाल के आखिरी दो वर्षों में कांग्रेस के दोनों सदनों पर रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण बना रहेगा या डेमोक्रेट अपनी पकड़ मजबूत करेंगे।

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा



एजेंसी ■ नई दिल्ली

आंध्रप्रदेश के तट से टकराया चक्रवाती तूफान मुरासु तेलंगाना की ओर चला गया है। राहत की बात ये है कि इसकी तीव्रता 100 किमी प्रति घंटा से कम होकर 60 किमी प्रतिघंटा हो गई है।

इसका एक हिस्सा अब भी आंध्र के तट से गुजर रहा है, जिससे विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था।

इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा। भारी बारिश से आंध्रप्रदेश के तटीय शहरों में सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए। सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम, तिरुपति और चेन्नई एयरपोर्ट से 30 डॉमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द रहीं।

तीर तेवर — सागर कुमार



राहुल बोले- मोदी जी देश विरोधी कौन बहस कीजिए: जगह-जज आप चुनिए

शाह बोले- किसी भी मुद्दे पर बहस को तैयार, संसद चलने दीजिए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राहुल गांधी ने मंगलवार को एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उन्होंने पीएम मोदी को बहस का चैलेंज दिया है। करीब 1.50 मिनट के वीडियो में राहुल कह रहे हैं- '24 घंटे हो गए मोदी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पे आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ।'

देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत। सवाल उठेंगे फाइनेंशियल सिस्टम पर, फाइनेंशियल स्ट्रक्चर पर, स्- डील कैसे हुई, क्यों हुई,



मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी, एक साइड आप बैठोगे, एक साइड मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो। मोहन भागवत जी को बिठा दो चलो और फिर डिबेट करते हैं।

राहुल गांधी
कांग्रेस सांसद



आपने पार्लियामेंट को रोककर रखा है। आप पार्लियामेंट में चर्चा कर लीजिए, दो-दो हाथ कर लीजिए। देश की जनता को मालूम हो जाएगा, सच्चा कौन है, झूठा कौन?

अमित शाह
गृह मंत्री

इतनी जल्दी क्यों हुई, सिर्फ आपने क्यों की, कैबिनेट को क्यों नहीं बताया, अडाणी का केस बंद क्यों हुआ, एपस्टीन - ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिस पर खुलकर डिस्कशन होगा। आ जाइए, डरिए मत। दूध का दूध, पानी का पानी कीजिए। आप एलिगेशन लगाते हैं ना मेरे ऊपर, आ जाइए, सब साफ हो जाएगा।

राहुल बोले- मुझ पर मानहानि के 45 केस

वीडियो में राहुल कह रहे हैं- बाकी चीजों पे आपने डिफेमेशन केस लगा रखा है, शायद 45 डिफेमेशन केस मेरे ऊपर हैं। मगर इस डिबेट मामले पर, फॉरेन कनेक्शन पर आप डिफमेशन नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी डिस्कस करेंगे, खुल के। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी।

शाह ने कहा- सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार

गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में कहा कि राहुल गांधी ने नकली संसद बनाकर असली संसद का मखौल उड़ाया। चर्चा का नाटक किया।

मैं कहना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, संसद चलने दो। हम विशेष सत्र बुलाकर एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

हिम्मत है तो देश की जनता के सामने चर्चा करके दिखाइए। हाथ में संविधान लेकर घूमने से संविधान का समर्थन नहीं होगा। आचरण संवैधानिक होना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथरला मंडल में विजयदशमी उत्सव एवं पद संचलन

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उपखंड पिरदा पिथौरा के पथरला मंडल में विजयदशमी उत्सव व पद संचलन मनाया गया जिसमें बाजार पड़ाव पथरला से संचलन शुरू करके गांव के पूरे गलियों में घूम कर बाजार पड़ाव में शाखा लगाकर प्रार्थना किया गया। तथा गली-गली में संचलन के समय स्वयंसेवकों के ऊपर फूलों की बारिश की गई। घोष व वाद्य के द्वारा संचलन निकला गया। जिसमें संचलन में 120 की संख्या में स्वयंसेवकों ने संचयन ने भाग लिया। विजयदशमी उत्सव में श्यामलाल पटेल उपखंड पिरदा, सर संचालक मुख्य अतिथि हेमकुमार गड़तिया अध्यक्ष शाला विकाश समिति पथरला, मुख्य वक्ता ठाकुर राम यादव विभाग प्रचारक विभाग राजिम विभाग सम्मिलित हुए।

इसमें मुख्य अतिथि हेमकुमार गड़तीया उद्बोधन में बताया कि आरएसएस ने 100 वर्षों में क्या-क्या काम किया और की कैसे उसकी स्थापना हुई। तथा मुख्य वक्ता ठाकुर राम यादव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी का विरोध नहीं करता, बस वह हिंदुत्व व सनातन की रक्षा व विकास के लिए काम करता है। तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व्यक्तित्व निर्माण करने की एक कारखाना है। जो अपने शाखा के द्वारा व्यक्ति में राष्ट्र भावना देश प्रेम एवं व्यक्तित्व विकास की चरम स्थिति को पैदा करता हैं व भक्त रविदास की मन चंगा तो कठौती में गंगा वाली कहानी को बताया गया। तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 101 वी वर्षगांठ की उपलब्धि व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना किन परिस्थितियों में डॉ केशव बलीराम हेडगेवार जी ने नागपुर के मोहित्तेबाडा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना व शाखा की शुरुआत कैसे की। और आज की स्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हमारे जीवन में आवश्यकता क्यों है? आज हर सनातनी व हिंदू को अपनी रक्षा व अपनी संस्कृति और पहचान को बनाए रखने के लिए संघ की आवश्यकता है। संघ के कार्यों को बताया गया। संघ किस प्रकार से कार्यकर्ता है यह पहला ऐसा संगठन है, जो 100 वर्षों में निरंतर चल रही है। देश सेवा देशभक्ति एवं देश रक्षा के लिए तत्पर रहने वाले स्वयंसेवकों को तैयार करती है।

इस कार्यक्रम में आसपास के आए अतिथियों का एवं माता एवं बहनों के साथ-साथ कई लोगों की उपस्थिति थी। इसमें मुख्य रूप से मुख्य शिक्षक शिव शंभू साहू व सुभाष साहू, हितेश साहू, सुभाष बंजारा, अभिमन्यु प्रधान, सुरेश नायक, दिलीप प्रधान, तीरथ नायक व ज्ञानचंद प्रधान, सुखसागर बरिहा, सुरेश पांडे, अश्विनी चौधरी आदि स्वयंसेवक सम्मिलित थे।

जनदर्शन में मानवी को मिली नई उम्मीद, कलेक्टर ने प्रदान की हियरिंग मशीन



विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। कलेक्टर जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के साथ ही जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बन रहा है। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए जरूरतमंदों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

इसी कड़ी में आज जनदर्शन में कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समाज कल्याण विभाग के सहयोग से मानवी बंजारे को हियरिंग मशीन (श्रवण यंत्र) प्रदान की। मानवी मुखबधिर स्कूल धमतरी में कक्षा 7वीं की छात्रा हैं। वह बचपन से ही सुनने और बोलने में असमर्थ हैं। हियरिंग मशीन मिलने से उन्हें सुनने में सहायता मिलेगी और उनकी पढ़ाई एवं दैनिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। मानवी के पिता ललित कुमार बंजारे ने इस सहायता के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनदर्शन के माध्यम से उन्हें बहुत मदद मिली है। जरूरतमंदों की सहायता के लिए यह बहुत अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की इस संवेदनशील पहल से उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है। जनदर्शन के माध्यम से जिला प्रशासन जरूरतमंद नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनकर उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विज्ञान प्रतियोगिताओं में बसना विकासखण्ड की प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, अनुसंधान एवं तार्किक चिंतन विकसित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर के सौजन्य से आयोजित राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी, पश्चिम भारत विज्ञान मेला एवं संबद्ध विधाओं की प्रतियोगिता सत्र 2026-27 के अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिताओं में बसना विकासखण्ड के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न विधाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के मुख्य विषय 'सतत एवं विकसित भारत के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार' के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता में नवल कुमार चौहान प्रथम एवं पल्लवी सिदार द्वितीय, हरित ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण में आर्यन राणा प्रथम, आस्था दास द्वितीय एवं सरस कुमार नंद तृतीय तथा स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सफाई में मुंगा मानिकपुरी प्रथम, सुमीत चौधरी द्वितीय एवं हेजल प्रधान तृतीय रहे। स्वदेशी कृषि पद्धतियों में आस्था दास तथा ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान में जितेश साहू प्रथम, ध्रुव पटेल द्वितीय एवं जागृति बारिक तृतीय रहीं।

पश्चिम भारत विज्ञान मेले में शिक्षकों द्वारा निर्मित सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अरेकेल के शिक्षक प्रेमचन्द साव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विज्ञान नाटिका में पी.एम. सेजेस भंवरपुर की टीम ने 'AI मित्र या खतरा' विषय पर प्रथम तथा प्रेमचन्द साव के मार्गदर्शन में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अरेकेल की टीम ने जलवायु परिवर्तन विषय पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रश्नमंच में पी.एम. सेजेस बसना के हितेश पटेल एवं नरोत्तम नायक प्रथम तथा शिवम सिंह बरिहा एवं हेमंत साव द्वितीय रहे। विज्ञान क्लब प्रतियोगिता में अरेकेल की हेमिका देवांगन प्रथम,मार्गदर्शक शिक्षकों की विज्ञान संगोष्ठी में योगेश बढ़ाई प्रथम,पोस्टर प्रतियोगिता में विक्रम प्रजापति प्रथम एवं अदिति कन्हेर द्वितीय तथा पहेली प्रतियोगिता में अरेकेल के डिमेश देवांगन प्रथम रहे।

15 नवम्बर से जिले के 181 उपार्जनन केंद्रों मे होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 मे समर्थन मूल्य मे धान खरीदी 15 नवम्बर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक होगा। इस बार जिले मे 181 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी होगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को समय -सीमा की बैठक मे जिले मे धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जरुरी निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि आगामी 15 नवम्बर से शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली समर्थन मूल्य मे धान खरीदी प्रारम्भ होगी।किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी जाएंगे।धान खरीदी के लिये जिन अधिकारी -कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है वे गंभीरतापूर्वक अपने दायित्व निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि सभी धान खरीदी केंद्रों मे चेक लिस्ट के अनुसार पूरी व्यवस्था सुनिश्चित हो ताकि 15 नवम्बर से सभी केंद्रों मे धान खरीदी प्रारम्भ हो सके। उन्होंने कहा कि अवैध धान एवं बिचौलियों पर कड़ी नजर रखे,किसी भी केन्द्र मे अवैध न आए यह सुनिश्चित करें। शासन की मंशानुसार सभी वास्तविक किसानों का नियमानुसार धान खरीदी होगी। धान बेचने मे किसानों को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। उपार्जन केन्द्र में किसानो की सुविधाओं का ध्यान रखा जाए।

टोकन लेने मे किसानों की बढ़ी सुविधा- इस बार धान खरीदी के दौरान किसानो को टोकन लेने मे समय की बंदिश नहीं रहेगा। किसान तुंहर टोकन एप्प से अपनी सुविधा अनुसार किसी भी तिथि का टोकन ले सकेंगे।

घोषणा और आश्वासन तक सीमित न रहे साय सरकार प्रभावित किसानों को तत्काल राहत दे: मोक्ष कुमार प्रधान

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। बसना विधानसभा क्षेत्र में अर्बन तूफान के कारण हुई भारी बारिश ने किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। कहीं फसलें पानी में डूबकर सड़ने की स्थिति में हैं तो कहीं तेज बारिश और प्राकृतिक आपदा के चलते किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस आपदा ने अन्नदाताओं के सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। किसान अपनी बर्बाद हुई फसल को देखकर चिंतित और परेशान हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आपदा के लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी प्रभावित किसानों को वास्तविक राहत मिलने का इंतजार है।

इस मामले में बसना विधानसभा के कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने साय सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि अर्बन तूफान से किसानों को हुए भारी नुकसान के बाद सरकार ने सहायता और मुआवजा देने का आश्वासन तो दिया, लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों को अब तक अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाया है। आखिर सरकार की घोषणा का लाभ किसानों तक कब पहुंचेगा? क्या किसानों को केवल आश्वासन देकर उनकी पीड़ा को भुला दिया जाएगा?

मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत करके अपनी फसल तैयार करता है। खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और मजदूरी में अपनी जमा पूंजी लगा देता है। कई किसान कर्ज लेकर खेती करते हैं। जब फसल पकने की उम्मीद होती है, तब प्राकृतिक आपदा उनकी पूरी मेहनत को बर्बाद कर देती है।

कार्यालय नगर पंचायत छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phon -07701266120

कमांक/701/न0प0/राजस्व / 2026
छुरा दिनांक 30.10.2026

// ईश्तहार//

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मैमुना खान पति स्व. श्री अ. सत्तार खान निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे 'नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदिका द्वारा स्थान वार्ड क्र0 08 संतोषी पारा वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 580/04 रकबा 13.50 वर्गमीटर, जो कि वार्ड क्र0 08 संतोषी पारा स्थित भूमि श्री अ. सत्तार खान निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर स्थित है। उक्त भवन को आवेदिका के पति के मृत्यु के पश्चात आवेदिका के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला - गरियाबंद

शील

कार्यालय नगर पंचायत छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phon -07701266120

कमांक/699/न0प0/राजस्व / 2026
छुरा दिनांक 30.10.2026

// ईश्तहार//

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मैमुना खान पति स्व. श्री अ. सत्तार खान निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय में नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदिका द्वारा स्थान वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 552/144 रकबा 505.00 वर्गमीटर, जो कि वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड स्थित भूमि श्री अ. सत्तार खान निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर स्थित है। उक्त भवन को आवेदिका के पति के मृत्यु के पश्चात आवेदिका के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदिका द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला - गरियाबंद

शील

कार्यालय नगर पंचायत छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phon -07701266120

कमांक/691/न0प0/राजस्व / 2026
छुरा दिनांक 30.10.2026

// ईश्तहार//

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती वाहिदा बानो पति मो. इसराईल निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदिका द्वारा स्थान वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भूमि का खसरा नंबर 552 का टुकड़ा कुल क्षेत्रफल 55.95 वर्गमीटर, जो कि श्रीमती नेहा परवीन पिता श्री अ. रज्जाक निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड छुरा में स्थित है। उक्त भूमि को बिक्री इकरारनामा के माध्यम से आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला - गरियाबंद

शील

कार्यालय नगर पंचायत छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phon -07701266120

कमांक/687/न0प0/राजस्व / 2026
छुरा दिनांक 30.10.2026

// ईश्तहार//

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रतिमा सिंह पति श्री सुनील सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 11 कनसिंधी, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदक द्वारा स्थान वार्ड क्र0 15 नुगानी वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 558/230 का टुकड़ा मे से कुल क्षेत्रफल 88.00 वर्गमीटर, जो कि वार्ड क्र0 15 नुगानी वार्ड स्थित भूमि जो कि श्रीमती आशादेवी पति श्री जयनारायण सिंह निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर स्थित है। उक्त भवन का आवेदक द्वारा आपसी बटवारानामा के पश्चात आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला - गरियाबंद

शील

कार्यालय नगर पंचायत छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phon -07701266120

कमांक/685/न0प0/राजस्व / 2026
छुरा दिनांक 30.10.2026

// ईश्तहार//

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री शाबिर मोहम्मद पिता स्व. श्री नूर मोहम्मद निवासी वार्ड क्रमांक 09 गुरु घासीदास वार्ड छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदक द्वारा स्थान वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 552/157 रकबा 872.12 वर्गमीटर, को श्री मो. शरीफ पिता श्री शाबिर निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम आपसी सहमति के पश्चात नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला - गरियाबंद

शील

कार्यालय नगर पंचायत छुरा, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)
Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phon -07701266120

कमांक/683/न0प0/राजस्व / 2026
छुरा दिनांक 30.10.2026

// ईश्तहार//

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री लोकेश पिता श्री प्रेमनारायण जाति कलार निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय में नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदक द्वारा स्थान वार्ड क्र0 06 महात्मा बुद्ध वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भूमि का खसरा नंबर 599 का टुकड़ा कुल क्षेत्रफल 252.80 वर्गमीटर, को जो श्री सियाराम सिन्हा पिता श्री बुधराम निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर दर्ज है जिसे आपसी सहमति के पश्चात नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईटहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला - गरियाबंद

शील

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) सक्ती, जिला-सक्ती(छ.ग.)

उपस्थिति सूचना

रा.प्र.क. .../ब/121/ वर्ष 2024-2025
ग्राम - मोंहगांव,तहसील सक्ती जिला-सक्ती (छ.ग.)

पूरन प्रसाद पिता स्व. लखन
निवासी ग्राम मोंहगांव, तहसील सक्ती, जिला सक्ती ..अपीलार्थीगण

बनाम

संतोष कुमार पिता शोभू राग जाति लोधी
साकिनान ग्राम मोहगांव, तहसील सक्ती, जिला-सक्ती उत्तरवादीगण

एतद् द्वारा ग्राम गोंहगांव उत्तरवादीं को सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी पूरन प्रसाद पिता स्व. लखन निवासी ग्राम मोहगांव, तहसील सक्ती, जिला सक्ती ने न्यायालय तहसीलदार सक्ती के द्वारा रा.प्र.क. 20250631160003./ब-121/2024-25 पक्षकार पूरन प्रसाद बनाम संतोष साकिन मोंहगांव तहसील सक्ती में पा.आ.दि 02.07.2025 के विरुद्ध अपील प्रस्तुत किया है।

उक्त्त संबंध में प्रस्तुत अपील प्रकरण उत्तरवादी की उपस्थिति के लिए नियत है। इस उपस्थिति सूचना के माध्यम से उत्तरवादी को सूचित किया जाता है कि आप प्रकरण में आगामी सुनवाई तिथि 1.8-11.2026 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब / दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। अनुपस्थिति की स्थिति में आप के विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 28/10/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन शील मुद्रा से जारी ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सक्ती, जिला-सक्ती (छ.ग.)

शील

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर:: -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /.....36761...../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 03-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36761

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663V00197 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती JYOTI ROUT पिता / पति श्री/श्रीमती मती PRABHAT ROUT के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती DEEPTI SAHU पिता/पति श्री श्रीमती W/O DEVENDRA SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख । वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /.36657...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36657

वार्ड का नाम -15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR107L00193 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती P. SAIRAM MURLIDHAR पिता / पति श्री/श्रीमती LATE. P. V. N. RAO के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती Killari laxmikant पिता / पति श्री/श्रीमती Killari satynarayan ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /.36658...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36658

वार्ड का नाम -15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR107L0193A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती P. SAI RAGHVENDRA पिता / पति श्री/श्रीमती SHRI P.V. NARSINGH RAO के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती Killari laxmikant पिता / पति श्री/श्रीमती Killari satynarayan ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
-:: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे , रायपुर ::-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र. /.36646...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 02-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36646

वार्ड का नाम -12 कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR330C00027 जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती KANHAIYALAL SIDUJA/ पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1. राधाबाई 2. दीपक 3. सरला 4. दिलीप 5. विनोद 6. मोनिका 7. बार्बी पिता / पति श्री स्व. कन्हैयालाल सिद्रजा, स्व. धर्मेन्द्र सिदूजा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र B1, SHAPATH PATRA, AADHAR CARD / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख /द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे
श्री खीरसागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
-:: शंकर नगर पानी टंकी के नीचे , रायपुर ::-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र. /.36528...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 29-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36528

वार्ड का नाम -30 शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR331D00326 जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती GOVARDHAN YADAV पिता / पति श्री/श्रीमती JETHU YADAV के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती हर्षिता मरकाम पिता / पति श्री श्रीमती श्री भगवत मरकाम ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /malma bikri nama, shapathpa-tra, aadhar card / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाश

मोहमेला में तालाब की मेढ़ तोड़ने का आरोप, दो पचरियां भी उखाड़ीं

विश्व केसरी■



आरंग (पवन साहू)। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के क्रियान्वयन और सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण को लेकर शासन-प्रशासन लगातार दिशा-निर्देश जारी कर रहा है, लेकिन आरंग विकासखंड की ग्राम पंचायत मोहमेला (कुटेला) में एक अलग ही मामला सामने आया है। यहां तालाब की मेढ़ को नुकसान पहुंचाने, मेढ़ पर लगे पेड़ों को उखाड़ने और ग्रामीणों की सुविधा के लिए बनाई गई दो पचरियों को तोड़ने का आरोप सरपंच पति पर लगा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निजी स्वार्थ के चलते गांव की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत मोहमेला में तालाब के पार से मिट्टी निकालने और रेत परिवहन के लिए रास्ता तैयार करने के दौरान तालाब की मेढ़ को नुकसान पहुंचाया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच मधु लोकेश यादव के पति लोकेश यादव की देखरेख में ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत निकलवाकर बड़े वाहनों में भरकर बाहर भेजी जा रही है। ग्रामीणों ने इस गतिविधि पर आपत्ति जताते हुए मनरेगा के तहत निर्मित तालाब की मेढ़ को नुकसान पहुंचाने की मौखिक शिकायत जनपद पंचायत आरंग में की। शिकायत के बाद जनपद पंचायत के इंजीनियर ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों के मुताबिक, निरीक्षण के दौरान तालाब की मेढ़ क्षतिग्रस्त मिली तथा मेढ़ पर लगे पेड़ उखाड़कर नीचे गिराए गए थे।

बताया जाता है कि इंजीनियर ने संबंधित पक्ष को तालाब की मेढ़ दुरुस्त कराने की हिदायत देते हुए ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। ग्रामीणों का कहना है कि निरीक्षण के बाद आनन-फानन में जेसीबी बुलाकर तालाब से मिट्टी निकालने और मेढ़ को दोबारा तैयार करने का काम शुरू किया गया। इस दौरान तालाब में आने-जाने और पानी तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों की सुविधा के उद्देश्य से बनाई गई दो पचरियां भी उखाड़कर मेढ़ में डाल दी गईं। ग्रामीणों का सवाल है कि जिस गांव में एक वर्ष के कार्यकाल में नई पचरी का निर्माण नहीं हो पाया, वहां पहले से बनी दो पचरियों को आखिर किस परिस्थिति में तोड़ दिया गया..? ग्रामीणों के अनुसार, तालाब की मेढ़ पर लगे कई पेड़ों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। इससे न केवल तालाब की संरचना प्रभावित हुई, बल्कि सार्वजनिक उपयोग की सुविधाओं पर भी असर पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तालाब के गहरीकरण या अन्य विकास कार्यों की आवश्यकता थी, तो इसके लिए पंचायत स्तर पर प्रस्ताव और नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाकर बाद में मिट्टी डाल देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। गौरतलब है कि पंचायत चुनाव के बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों से ग्रामीण विकास और जनहित के कार्यों की अपेक्षा की जाती है। शासन की मंशा महिलाओं को पंचायतों में नेतृत्व का अवसर देकर उन्हें सशक्त बनाने की है। साथ ही महिला जनप्रतिनिधियों के स्थान पर उनके पति या परिजनों द्वारा पंचायत के कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में मोहमेला में सरपंच पति की कथित सक्रियता और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों ने पंचायत के कामकाज पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच बनने के करीब एक वर्ष बाद भी गांव में अपेक्षित विकास कार्य दिखाई नहीं दे रहे हैं, जबकि रेत उत्खनन और परिवहन को लेकर लगातार गतिविधियां जारी हैं। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया है कि यदि बिना वैध रॉयल्टी के रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है और संबंधित विभाग अब तक कार्रवाई क्यों नहीं कर पाए हैं..? ग्रामीणों ने तालाब की क्षतिग्रस्त मेढ़, उखाड़ी गई पचरियों, पेड़ों को हुए नुकसान तथा रेत उत्खनन एवं परिवहन की गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि केवल मिट्टी डालकर मेढ़ को दुरुस्त दिखा देना पर्याप्त नहीं है। यह भी जांच होनी चाहिए कि मनरेगा के तहत निर्मित सार्वजनिक संपत्ति को कितना नुकसान पहुंचा और उसकी भरपाई किसके द्वारा की जाएगी।

22 नवंबर को होगा डाइट नगरी के पूर्व छात्राध्यापकों का भव्य मिलन समारोह



विश्व केसरी■

धमतरी (राजशेखर नायर)। डाइट नगरी के गौरवशाली इतिहास और यहां से शिक्षा प्राप्त कर देश-प्रदेश में अपनी सेवाएं दे रहे पूर्व छात्राध्यापकों को एक बार फिर एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आगामी 22 नवंबर 2026, रविवार को डाइट नगरी परिसर में भव्य छात्राध्यापक पुनर्मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस आयोजन को लेकर एलुमिनी टीम के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया तथा समारोह की तैयारियों के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई। टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं, बैठक व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लेते हुए आयोजन को यादगार बनाने के लिए अपने सुझाव साझा किए।

डाइट नगरी का गौरवशाली इतिहास

उल्लेखनीय है कि डाइट नगरी का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय वर्ष 1963 में तत्कालीन रायपुर जिले में डाइट नगरी की स्थापना हुई थी। स्थापना के बाद से ही यह संस्थान शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। अब तक यहां से लगभग 4000 से अधिक छात्राध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त कर शिक्षक बन चुके हैं, जो वर्तमान में छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी शिक्षकीय सेवाएं दे रहे हैं।

इस पुनर्मिलन समारोह में विभिन्न बैच के सैकड़ों पूर्व छात्राध्यापकों के शामिल होने की संभावना है। कई वर्षों बाद पुराने सहपाठियों, गुरुजनों एवं संस्थान से जुड़े साथियों से मिलने का यह अवसर सभी के लिए यादगार और भावनात्मक होगा। एलुमिनी टीम का उद्देश्य केवल पुराने साथियों को एकत्रित करना ही नहीं, बल्कि डाइट नगरी से जुड़ी पुरानी यादों, अनुभवों और आत्मीय संबंधों को पुनर्जीवित करना तथा संस्थान की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर पूर्व छात्राध्यापक जोहन नेताम, देव प्रकाश ताम्रकार, तारिणी अटल, गरिमा गौर,निर्मला साहू, भोजराज साहू, चंद्रभान गजपाल, देवेंद्र साहू, दीपक साहू, पवन साहू, कैलाश सोन, देवकुमार साहू आदि कार्यक्रम के तैयारियों में जुटे हुए है।

पटवारी हड़ताल पर, कैसे होगा डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण? रकबा गायब होने से किसान परेशान

विश्व केसरी■



चकरदा-सरसींवा (सोनू साहू)। तहसील सरसींवा अंतर्गत चकरदा, मोहतरा, मधाईभाठा, गाड़ापाली, पिकरीपाली, कोदवा सहित आसपास के कई गांवों में किसान इन दिनों गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। एक ओर पटवारियों की हड़ताल के चलते राजस्व संबंधी कामकाज प्रभावित होने की आशंका है, वहीं दूसरी ओर डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण यानी डिजिटल गिरदावरी को लेकर किसानों की चिंता बढ़ती जा रही है।

किसानों के अनुसार, क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के कृषि रकबे का रिकॉर्ड ऑनलाइन दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में किसानों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खेतों की डिजिटल गिरदावरी ही समय पर नहीं होगी, तो धान खरीदी के लिए उनका पंजीयन और फसल का सत्यापन कैसे होगा? यदि रिकॉर्ड में रकबा दर्ज नहीं हुआ तो किसान अपनी मेहनत से उगाई धान की फसल को समर्थन मूल्य पर कैसे बेच पाएंगे?

हड़ताल से बढ़ी किसानों की चिंता

धान कटाई और खरीदी का समय नजदीक होने के कारण किसानों के लिए गिरदावरी बेहद महत्वपूर्ण है। पटवारियों की हड़ताल के कारण यदि डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण और राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित होते हैं, तो इसका सीधा असर किसानों पर पड़ सकता है। किसान इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उनकी फसल का सही रकबा दर्ज नहीं हुआ तो उन्हें धान बेचने में परेशानी उठानी पड़ सकती है।

शासन-प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

किसानों का कहना है कि एक तरफ शासन किसानों से समय पर धान बेचने और जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने की अपेक्षा करता है, वहीं दूसरी ओर रकबा गायब होने और गिरदावरी में आ रही समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। ऐसे में किसानों के सामने असमंजस की स्थिति बनी हुई है। क्षेत्र के किसानों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि डिजिटल गिरदावरी का कार्य प्रभावित न हो, गायब रकबे का तत्काल सत्यापन कर रिकॉर्ड दुरुस्त किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी किसान को तकनीकी या प्रशासनिक लापरवाही के कारण अपनी धान की फसल बेचने से वंचित न होना पड़े।

डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण DCS (गिरदावरी) पर ग्राम सभा में दावा-आपत्ति आमन्त्रित करने के आदेश जारी कर दिए हैं गाँव मे मुनियादी करके सर्वे किया जायेगा किसान चिंतित ना हो सबका रकबा सही किया जायेगा आगे की कार्यवाही जिला के लिए भेजा जायेगा।

-मनीष सूर्यवंशी
तहसीलदार सरसींवा

राज्योत्सव छत्तीसगढ़ के विकास और खुशहाली का प्रतीकः राधेश्याम बंजारे

विश्व केसरी■



नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता राधेश्याम बंजारे ने राज्योत्सव के अवसर पर कहा कि भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ की जनता की तरक्की और सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से अलग राज्य का निर्माण किया था। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने अटल जी के सपनों को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य करते हुए गांव, गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास किया। उनके कार्यकाल में विकास की मजबूत नींव रखी गई, जिसके परिणामस्वरूप आज छत्तीसगढ़ निरंतर एक विकसित राज्य की ओर अग्रसर है।

गरीबों को भोजन और किसानों को मिला संबल-

बंजारे ने कहा कि डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्री बनने से पहले प्रदेश में अनेक गरीब परिवार आधे पेट या भूखे रहकर रात गुजारने को मजबूर थे। रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोगों को पलायन करना पड़ता था। गरीब परिवारों को सस्ती दरों पर चावल उपलब्ध कराने की योजना ने भुखमरी और पलायन पर प्रभावी रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए धान खरीदी, बोनस, ब्याज मुक्त कृषि ऋण और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार जैसे कदम उठाए गए। इन योजनाओं से किसानों को आर्थिक संबल मिला और खेतों में हरियाली के साथ खुशहाली का नया दौर आया।

शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का हुआ विस्तार

बंजारे ने कहा कि डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बेकारी, भुखमरी, बेरोजगारी, पलायन और कुपोषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गईं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रदेश में स्कूल, कॉलेज और मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिली।

कराते प्रतियोगिता में आरंग के खिलाड़ियों ने जीते 15 पदक

आरंग। एक दिवसीय भिलाई ओपन राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन 1 नवंबर को सामुदायिक भवन चरोदा, भिलाई में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का आयोजन शिनकाई कराते एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश प्रमुख एवं छत्तीसगढ़ कराते डू एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सेंसई शशांक गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर इंद्रजीत, छत्तीसगढ़ कराते डू एसोसिएशन के कार्यकारिणी अध्यक्ष रेंशी बी. नायडू एवं सचिव रेंशी अमल तालुकदार उपस्थित थे। प्रतियोगिता में राज्यभर से लगभग 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में एकेडमी ऑफ स्पोर्ट्स कराते, आरंग ब्लॉक, जिला रायपुर के खिलाड़ियों ने काता और कुमिते दोनों ही इवेंट में अलग-अलग आयु वर्ग तथा भार वर्ग में भाग लेकर 2 स्वर्ण, 5 रजत और 8 कांस्य पदक हासिल किए।

एनएसयूआई की टीम ने आईटीआई महाविद्यालय का किया दौरा, विद्यार्थियों से संवाद कर समस्याओं की ली जानकारी

विश्व केसरी■



धमतरी (राजशेखर नायर)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन की टीम ने ITI महाविद्यालय का दौरा कर छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। इस दौरान विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई।

दौरे के दौरान NSUI की टीम ने महाविद्यालय की बिल्डिंग एवं परिसर का जायजा लिया। भवन की स्थिति, बुनियादी सुविधाओं और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही छात्र-छात्राओं से उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। NSUI पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष मुद्दे उठाने की बात कही। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष NSUI अरविंद यादव, NSUI नगर अध्यक्ष राकेश नेताम, विधानसभा महासचिव लाकेश्वर साहू, जिला उपाध्यक्ष भावेश चाँदनिया, NSUI महाविद्यालय अध्यक्ष लक्ष्य तिवारी एवं तेजू मरकाम उपस्थित रहे।

गांधी स्कूल के दो खिलाड़ियों का नेशनल में चयन

आरंग। राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में गांधी इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, आरंग के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल कौशल का परिचय देते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चार विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। ब्लॉक, जिला एवं संभाग स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर तक का सफर तय किया। राज्य स्तर पर इनमें से दो खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक और एक खिलाड़ी ने रजत पदक जीतकर अपनी उपलब्धि दर्ज कराई। दोनों स्वर्ण पदक विजेताओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता में महत्व नाथ योगी ने बालक अंडर-17 के माइनस 35 किलो वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इस सफलता के साथ उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। वे कैलाश नाथ योगी एवं कोकिला योगी के पुत्र हैं। इसी क्रम में कृतिका साहू ने बालिका अंडर-17 के माइनस 68 किलो वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

दिल्ली की ऐतिहासिक रामलीला मैदान में गूंजा फिंगेश्वर-राजिम कांग्रेस की दमदार भागीदारी

विश्व केसरी■



राजिम (शेखर मिश्रा)। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित विशाल जनसभा में फिंगेश्वर-राजिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी फिंगेश्वर-राजिम के ऊर्जावान एवं संघर्षशील अध्यक्ष रूपेश साहू अपनी टीम के साथ जनसभा में शामिल हुए।

जनसभा में लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा और जन अधिकारों की आवाज बुलंद करने के उद्देश्य से देशभर से कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट हुए। इस विशाल आयोजन में फिंगेश्वर-'राजिम कांग्रेस की सक्रिय भागीदारी ने संगठन की एकजुटता, संघर्षशीलता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। दिल्ली की धरती से उठी आवाज में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी पूरे जोश और उत्साह के साथ अपनी सहभागिता निभाई।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूपेश साहू के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की यह लड़ाई निरंतर जारी रहेगी और कांग्रेस जनहित के मुद्दों पर मजबूती से अपनी आवाज उठाती रहेगी।जनसभा में वोट चोर, गद्दी छोड़ के गगनभेदी नारों के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने संकल्प और एकजुटता का प्रदर्शन किया।

गांव-गांव गूंज रहा सुआ गीत, लोक संस्कृति को सहेज रहीं बच्चियां और महिलाएं

विश्व केसरी■



बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। छत्तीसगढ़ की प्राचीन लोक परंपरा सुआ गीत और नृत्य इन दिनों बलौदाबाजार जिले के ग्रामीण अंचलों में अपनी अनूठी छटा बिखेर रहा है। गांवों की गलियों और मोहल्लों में गूंजते सुआ गीतों से लोक संस्कृति का रंग दिखाई देने लगा है। महिलाएं आठ से दस की संख्या में टोली बनाकर घर-घर पहुंच रही हैं और पारंपरिक गीत-संगीत के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचा रही हैं।

सुआ गीत और नृत्य छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की एक महत्वपूर्ण पहचान है। यह परंपरा ग्रामीण जीवन, आपसी मेलजोल और सामूहिक उत्सव की भावना को जीवंत करती है। महिलाओं की टोलियां पारंपरिक अंदाज में सुआ गीत गाकर न केवल लोगों का मनोरंजन कर रही हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव भी मजबूत कर रही हैं।

लोक परंपरा को सहेजने की पहल

आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव के बीच ग्रामीण महिलाओं द्वारा सुआ गीत और नृत्य की परंपरा को आगे बढ़ाना लोक संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

इन गीतों में छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू, ग्रामीण जीवन की झलक और परंपराओं की मिठास देखने को मिलती है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से यह लोक विधा आज भी जीवंत बनी हुई है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित करा रही है।

सुआ गीत की गूंज यह संदेश दे रही है कि लोक संस्कृति केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान की जीवंत पहचान भी है। ग्रामीण महिलाओं के सामूहिक प्रयास से छत्तीसगढ़ की यह पारंपरिक कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ रही है।

पुलिस ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 7 जुआरियों को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। नवापारा पुलिस ने जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 7 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बस स्टैंड चैक के पास बैठकर ताश के पत्तों पर रुपये-पैसों का दांव लगा रहे थे। पुलिस ने मौके से नगद और 52 पत्ती ताश जब्त की है। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दी दबिश

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को पुलिस चैकी चंपारण में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक गिरधर गोपाल द्विवेदी को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम टीला के बस स्टैंड के पास गौठान मैदान में कुछ लोग बिजली खंभे के नीचे बैठकर ताश के पत्तों से रुपये-पैसों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं

सूचना पर सहायक उप निरीक्षक पुलिस स्टाफ और गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही जुआ खेल रहे लोगों में भगदड़ मच गई और कुछ लोग भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से 7 लोगों को पकड़ लिया, जबकि अन्य लोग भागने में सफल रहे।

7 आरोपी गिरफ्तार

मामले में पुलिस ने रवि कुमार पटेल (34 वर्ष), रमेश निषाद (36 वर्ष), दिनेश कुमार वर्मा (45 वर्ष), अश्वनी कुमार देवांगन (39 वर्ष), नारायण साहू (43 वर्ष), विरेंद्र साहू (45 वर्ष), नेतराम निषाद (22 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी ग्राम टीला थाना गोबरा नवापारा क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।

संपादकीय

साइबर हमले की नई चाल, परमाणु हमले का फर्जी अलार्म



युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता। अब यह लोगों के मोबाइल फोन, सरकारी सूचनाओं और उनके मन में पैदा होने वाले भय तक पहुँच गया है। यूक्रेन और रूस में हाल ही में हुई घटनाओं ने इस सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है। दोनों देशों के नागरिकों को सरकारी आपातकालीन चेतावनी अनुप्रयोगों के माध्यम से परमाणु हमले, विकिरण के खतरे और रासायनिक हमले से संबंधित झूठे संदेश भेजे गए। कुछ ही घंटों के अंतराल पर हुई इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि यदि नागरिकों को सुरक्षित रखने वाली व्यवस्था ही गलत सूचना फैलाने लगे, तो संकट के समय वे किस पर भरोसा करेंगे? एक नवंबर की रात यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे क्षेत्रों के लोगों के मोबाइल फोन पर अचानक भय पैदा करने वाली सूचनाएँ आने लगीं। सामान्य परिस्थितियों में इन सूचनाओं का उद्देश्य लोगों को मिसाइल और ड्रोन हमलों से आगाह करना तथा सुरक्षित स्थानों तक पहुँचने में सहायता देना है। लेकिन उस रात चेतावनियों का स्वरूप ही बदल गया। लोगों को बताया गया कि कीव में विकिरण का खतरा है, रासायनिक हमला हो सकता है और कुछ स्थानों पर सड़क पर लड़ाई चल रही है। एक संदेश में पूरे यूक्रेन में परमाणु खतरे की चेतावनी दी गई।

सबसे विचित्र संदेश रूसी भाषा में था। उसमें कहा गया कि परमाणु खतरा आने वाला है और चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि रूस की ओर से ओरेश्निक मिसाइल आ रही है। ओरेश्निक रूस की ऐसी बैलिस्टिक मिसाइल है जो परमाणु आयुध ले जाने में सक्षम मानी जाती है। युद्ध के वातावरण में इस तरह का संदेश किसी भी सामान्य नागरिक को भयभीत कर सकता था। संदेशों में भाषागत अशुद्धियाँ भी थीं। कहीं अंग्रेजी और रूसी भाषा का मिश्रण था, तो कहीं यूक्रेनी भाषा के साथ दूसरी भाषाओं के शब्द जोड़े गए थे। इन असामान्य बातों ने संदेशों की प्रामाणिकता पर संदेह पैदा किया।

यूक्रेन की वायुसेना ने तत्काल लोगों को सावधान किया। उसने स्पष्ट किया कि विकिरण का कोई खतरा नहीं है और नागरिक शांत रहें तथा आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। अधिकारियों ने चेतावनी अनुप्रयोग की सेवाएँ अस्थायी रूप से बंद कर दीं। बाद में उसे बहाल करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के प्रयास किए गए। राहत की बात यह थी कि देश की दूसरी सार्वजनिक चेतावनी व्यवस्थाएँ और हवाई हमलों के संकेत देने वाले सायरन काम कर रहे थे। इस कारण झूठे संदेशों को वास्तविक हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं माना गया।

इस घटना के कुछ घंटे बाद रूस में भी लगभग ऐसा ही मामला सामने आया। दो नवंबर की सुबह रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के मोबाइल अनुप्रयोग पर साइबर हमला हुआ। इसके माध्यम से कई क्षेत्रों के लोगों को परमाणु आयुध छोड़े जाने की झूठी सूचना भेजी गई। संदेश में दावा किया गया कि रूस के सभी क्षेत्रों को परमाणु खतरा है। लोगों को खाद्य सामग्री जमा करने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने जैसी बातें भी कही गईं। रूस के अधिकारियों ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि अनुप्रयोग के माध्यम से गलत सूचनाएँ प्रसारित की गई हैं। व्यवस्था को सामान्य बनाने के प्रयास शुरू किए गए।

इन दोनों घटनाओं ने इसलिए भी ध्यान खींचा, क्योंकि दोनों देशों के बीच पहले से ही युद्ध चल रहा है। ऐसे वातावरण में नागरिक हर दिन हवाई हमलों, मिसाइलों और ड्रोन से संबंधित समाचार सुनते हैं। यूक्रेन के अनेक शहरों में लोग वास्तविक चेतावनियाँ मिलने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाते हैं। ऐसे में यदि उसी माध्यम से परमाणु हमले या रासायनिक खतरे का झूठा संदेश आए, तो लोगों के लिए सही और गलत सूचना में अंतर करना कठिन हो सकता है। रूस में भी ऐसी चेतावनी से लोगों में घबराहट फैलने की आशंका स्वाभाविक है। इन साइबर हमलों के पीछे कौन था, इसका स्पष्ट उत्तर अभी सामने नहीं आया है। यूक्रेन के मामले में हिटकोर नामक समूह का उल्लेख किया गया। कुछ माध्यमों ने दावा किया कि इस समूह ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लेकिन इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई। रूस में एटेश नामक यूक्रेन समर्थक समूह ने अपने माध्यमों पर हमले से संबंधित चित्र साझा किए। दूसरी ओर, कुछ रिपोर्टों में डीसी8044 नामक समूह का भी उल्लेख हुआ। अलग-अलग दावों के बावजूद यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि दोनों हमले किसने किए या उनके पीछे कोई साझा योजना थी। दोनों घटनाओं का समय निकट होना अपने आप में उनके बीच संबंध का प्रमाण नहीं है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि क्या इन हमलों को किसी देश की सरकार ने निर्देशित किया था? अभी उपलब्ध जानकारी के आधार पर ऐसा निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। युद्ध के दौरान अनेक ऐसे समूह सक्रिय हो जाते हैं जो किसी पक्ष के समर्थन में स्वयं को साइबर योद्धा बताते हैं। कुछ समूह राजनीतिक विचारधारा के कारण सरकारी प्रणालियों को निशाना बनाते हैं, जबकि कुछ प्रसिद्धि पाने या विरोधी देश को अपमानित करने के उद्देश्य से ऐसी गतिविधियाँ करते हैं। जब तक ठोस प्रमाण सामने नहीं आते, तब तक किसी सरकार या संगठन को दोषी ठहराने से बचना चाहिए।

लोकसंस्कृति, परंपरा और विरासत का संगम है छत्तीसगढ़



चन्द्रमणी साव

छत्तीसगढ़ की पहचान केवल खनिज संपदा, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास की संभावनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराएं, जनजातीय विरासत और आपसी भाईचारा भी प्रदेश को विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। यहां की मिट्टी में लोकगीतों की मिठास है, लोकनृत्यों में जीवन की उमंग है और तीज-त्योहारों में सामाजिक एकता की भावना दिखाई देती है। एक नवंबर को छत्तीसगढ़ अपना स्थापना दिवस मनाता है। इस अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, उपलब्धियों और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच बनता है।

राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की असली पहचान को करीब से जानने और समझने का अवसर है। इस आयोजन में प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को छत्तीसगढ़ की परंपराओं से परिचित कराते हैं। पंथी, राउत नाचा, सुआ, करमा और गौर जैसे पारंपरिक नृत्य यहां की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाते हैं। इसके साथ ही लोकगीतों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और हस्तशिल्प की प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश की कला और कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा, सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया जाता है।

आदिवासी संस्कृति है प्रदेश की पहचान

छत्तीसगढ़ की संस्कृति में आदिवासी समाज का विशेष





योगदान है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक विभिन्न जनजातियों की अपनी अलग जीवनशैली, वेशभूषा, खानपान, रीति-रिवाज और उत्सव हैं। बस्तर का विश्वप्रसिद्ध दशहरा इसका अनूठा उदाहरण है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह पर्व देश के अन्य दशहरा आयोजनों से अलग है। इसका संबंध भगवान श्रीराम की रावण पर विजय से नहीं, बल्कि मां दंतेश्वरी की आराधना और आदिवासी आस्था से है। यह आयोजन जनजातीय परंपराओं और सामूहिक सहभागिता का प्रतीक है।

लोकनृत्यों में दिखाई देती है जीवन की झलक

प्रदेश के पंथी नृत्य में गुरु घासीदास बाबा के संदेश और सतनाम पंथ की विचारधारा दिखाई देती है। राउत नाचा यादव समाज की परंपरा, उत्साह और वीरता का प्रतीक है। वहीं सुआ नृत्य महिलाओं की सामूहिक अभिव्यक्ति और लोकजीवन से जुड़ा है। करमा और गौर नृत्य में प्रकृति, आस्था और जनजातीय जीवन की सुंदर झलक देखने को मिलती है। ये लोककलाएं केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक धरोहर हैं।

त्योहारों में बसता है छत्तीसगढ़ी जीवन

छत्तीसगढ़ के त्योहार यहां की कृषि संस्कृति और सामाजिक जीवन से गहराई से जुड़े हैं। हरेली पर्व पर कृषि उपकरणों की पूजा की जाती है। तीजा में महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। पोला पर्व में बैलों की पूजा कर खेती में उनके योगदान के प्रति सम्मान जताया जाता है। वहीं छेरछेरा पर्व दान, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। इन त्योहारों में गांवों की सामूहिकता और पारिवारिक रिश्तों की मिठास दिखाई देती है।

खानपान और हस्तशिल्प की भी अलग पहचान





छत्तीसगढ़ का पारंपरिक खानपान भी इसकी संस्कृति का अहम हिस्सा है। चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, अइरसा और अंगाकर रोटी जैसे व्यंजन यहां के स्वाद की पहचान हैं। वहीं बस्तर की ढोकरा कला, बेलमेटल शिल्प, कोसा वस्त्र, लकड़ी की नक्काशी और बांस से बनी कलाकृतियां प्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को दर्शाती हैं। इन कलाओं से जुड़े कारीगर अपनी मेहनत और हुनर से छत्तीसगढ़ की पहचान को देश-दुनिया तक पहुंचा रहे हैं।

नई पीढ़ी तक पहुंचे विरासत का संदेश

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस और 1 से 3 नवंबर तक आयोजित राज्योत्सव केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़ने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने का भी समय है। तेजी से बदलते आधुनिक दौर में जरूरी है कि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा, लोकगीतों, लोकनृत्यों, पारंपरिक व्यंजनों और रीति-रिवाजों से परिचित रहे। विकास के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजना ही प्रदेश की असली प्रगति है।

छत्तीसगढ़ की यही विविधता, सरलता और सांस्कृतिक समृद्धि उसे देश के नक्शे पर एक अलग पहचान प्रदान करती है।

गिग वर्कर्स की सुरक्षा का सवाल



- डॉ. सत्यवान सौरभ

लचीले रोजगार के साथ सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी

बदलती अर्थव्यवस्था में रोजगार के स्वरूप तेजी से बदल रहे हैं। डिजिटल तकनीक और इंटरनेट आधारित सेवाओं ने काम करने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती दी है। आज कोई व्यक्ति मोबाइल एप के माध्यम से भोजन पहुँचाकर, ऑनलाइन टैक्सी चलाकर, सामान की डिलीवरी करके, घरेलू सेवाएँ उपलब्ध कराकर या स्वतंत्र डिजिटल कार्य करके अपनी आजीविका अर्जित कर सकता है। रोजगार का यह स्वरूप गिग इकोनॉमी कहलाता है और इसमें काम करने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में पहचाने जाते हैं। इन श्रमिकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अपनी सुविधा और उपलब्धता के अनुसार काम चुन सकते हैं, लेकिन इस लचीलेपन के साथ उनकी आजीविका में असुरक्षा भी जुड़ी हुई है। नियमित कर्मचारियों की तरह उन्हें वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, चिकित्सा सुविधा और सवेतन अवकाश जैसी सुविधाएँ सामान्यत: उपलब्ध नहीं होतीं। इसलिए गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा अब केवल श्रम कल्याण का विषय नहीं, बल्कि समावेशी विकास और आर्थिक न्याय की अनिवार्य शर्त बन गई है।

भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार ने गिग रोजगार को नई गति दी है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, देश में गिग वर्कर्स की संख्या वर्ष 2029-30 तक लगभग 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। यह संख्या बताती है कि आने वाले समय में रोजगार का यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने वाला है। भोजन की आपूर्ति, परिवहन, ई-कॉमर्स, घरेलू सेवाओं और विभिन्न डिजिटल मंचों पर काम करने वाले लाखों लोग शहरों की आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर बनी हुई है। एक डिलीवरी कर्मी सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाए तो उसकी आमदनी तत्काल बंद हो सकती है। बीमारी के कारण कई दिन काम न कर पाने पर परिवार का खर्च चलाना कठिन हो जाता है। महिलाओं के सामने मातृत्व अवकाश और आय की निरंतरता जैसी चुनौतियाँ हैं। वृद्धावस्था में नियमित पेंशन का अभाव उनकी चिंता को और बढ़ा देता है।

सामाजिक सुरक्षा का मूल उद्देश्य श्रमिकों को जीवन की अनिश्चित परिस्थितियों में आर्थिक सहारा देना है। गिग वर्कर्स के संदर्भ में इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी आय काम की उपलब्धता, ग्राहकों की माँग, मौसम, मंचों की नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं पर निर्भर करती है। कई बार मंचों द्वारा भुगतान की दरों में बदलाव या प्रोत्साहन राशि में कटौती से उनकी वास्तविक आय प्रभावित होती है। ऐसे में दुर्घटना बीमा, जीवन बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था पेंशन जैसी सुविधाएँ उन्हें आर्थिक संकट से बचा सकती हैं। सामाजिक सुरक्षा का लाभ केवल श्रमिक तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके पूरे परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है। इससे गरीबी, असमानता और आर्थिक अस्थिरता को कम करने में भी सहायता मिलती है।

इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 में गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को अलग श्रेणी के रूप में मान्यता दी गई है। इस संहिता के अंतर्गत उनके लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ बनाने और लागू करने का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रमिकों, एग्रीगेटर्स और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करना तथा कल्याणकारी योजनाओं की दिशा तय करना है। 22 सदस्यीय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में विभिन्न

बोध कथा

अपनी संस्कृति ही अपनी पहचान

एक गांव में मोहन नाम का लड़का रहता था। वह पढ़ाई के लिए शहर गया और कुछ वर्षों बाद गांव लौटा। शहर में रहने के कारण उसे अपनी भाषा, पहनावे और परंपराओं पर शर्म महसूस होने लगी। वह गांव के लोगों को पुराने विचारों वाला समझता था।

एक दिन गांव में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस और राज्योत्सव का आयोजन हुआ। वहां पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य और पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुतियां हो रही थीं। मोहन ने देखा कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी अपनी संस्कृति पर गर्व कर रहे थे।

तभी एक बुजुर्ग कलाकार ने उससे कहा, 'बेटा, पेड़ कितना भी ऊंचा क्यों न हो जाए, उसकी मजबूती उसकी जड़ों से ही होती है। इंसान भी अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से ही पहचाना जाता है।

बुजुर्ग की बात मोहन के दिल को छू गई। उसे एहसास हुआ कि आधुनिक बनना अच्छी बात है, लेकिन अपनी जड़ों को भूल जाना समझदारी नहीं है। उसने संकल्प लिया कि वह अपनी मातृभाषा, लोककला और परंपराओं का सम्मान करेगा और नई पीढ़ी को भी इनके महत्व के बारे में बताएगा।

उस दिन मोहन ने समझ लिया कि छत्तीसगढ़ की असली पहचान उसकी संस्कृति और परंपराओं में बसती है।

सीख: आधुनिकता अपनाएं, लेकिन अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं को कभी न भूलें। यही हमारी असली पहचान और धरोहर है।

ग़ज़ल

'इस दीवाली मिट्टी के दीये जलाना



प्रवीण कुमार

इस दीवाली, मिट्टी के दीये जलाना,
चाइना वाली लाइटें नहीं, अपनापन जलाना।

बाजार से जब तुम लक्ष्मी-गणेश लाओगे,
तो साथ में कुम्हार के घर की खुशी भी लाना।

पटाखों का शोर तो एक पल का है,
किसी गरीब के घर हँसी उधार लाना।

जो बच्चे बेच रहे हैं सड़क पर दीये,
उनसे मोल-भाव नहीं, प्यार से ले जाना।

बड़े-बड़े मॉल तो हर दिन हैं,
इस दीवाली, छोटी दुकानों को सजाना।

बाहर तो रोशनी करोगे ही तुम,
अंदर के अहंकार को भी जलाना।

और आखिर में,
जब सब सो जाएं,
तो पापा के पैर छू कर कहना -
पापा, आप ही मेरे लक्ष्मी-गणेश हो।

व्यंग्य केसरी

रैली पर बारिश का ब्रेक!



अजय कुमार बियानी

लो कर लो रैली, कर लो शक्ति प्रदर्शन,
मंच सजा था, तैयार था पूरा आयोजन।
नेताओं के भाषण और नारों की थी तैयारी,
लेकिन आसमान ने कर दी अपनी मनमानी!
रामलीला मैदान में पानी ही पानी,
रैली की उम्मीदों पर फिर गया पानी।

मौसम विभाग ने भी दे दी चेतावनी,
अगले दो दिन तक जारी रह सकती है बारिश की कहानी।
अब विपक्ष के समर्थक भी क्या खूब फरमाएँगे,
बारिश के पीछे भी राजनीतिक स्वाभाविक प्रहार नहीं,
मोदी जी की कोई रणनीति है,
महज संयोग नहीं!
कोई बोलेगा, रैली से डरकर बारिश करवाई,
किसी ने कहा, सत्ता ने बादलों से दोस्ती निभाई।



कारण बताएँगे।
कहेंगे—यह बादलों का साजिश नजर आएगी,
बिजली चमकी तो उसमें भी
हवा चली तो नई राजनीतिक थ्योरी बन जाएगी।
नेताओं की राजनीति भी कमाल की चीज है,
हार हो या जीत, हर बात में विरोधी की खींच है।
मैदान में भीड़ हो तो लोकप्रियता का प्रमाण,
बारिश में मैदान खाली हो तो मौसम जिम्मेदार महान!
अब सवाल यह नहीं कि रैली होगी या नहीं,
सवाल यह है कि दोष किसके सिर मढ़ा जाएगा।
बादल तो बरसकर आगे निकल जाएँगे,
लेकिन राजनीतिक बयानबाजी का मौसम
कई दिनों तक छाया रहेगा!
लो कर लो रैली...
कभी जनता का मूड बिगड़ता है,
तो कभी मौसम ही मंच पर आकर अपना भाषण दे जाता है!

इतिहास

4 नवंबर का इतिहास : देश और दुनिया की प्रमुख घटनाएं

ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 4 नवंबर साल का 308वां दिन है। इस दिन देश और दुनिया में कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं हुईं। आइए जानते हैं 4 नवंबर का इतिहास।

देश-दुनिया की प्रमुख घटनाएं

1. 1509 - अल्फांसो द अल्बुकर्क भारत में दूसरे पुर्तगाली वायसराय बने।

. 1618 - मुगल शासक औरंगजेब का जन्म हुआ।

3. 1822 - दिल्ली में जल आपूर्ति योजना का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

4. 1845 - भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारी वासुदेव बलवंत फड़के का जन्म हुआ।

5. 1889 - प्रसिद्ध उद्योगपति और स्वतंत्रता सेनानी जमनालाल बजाज का जन्म हुआ।

6. 1922 - मिस्र में पुरातत्वविदों ने प्राचीन मिस्र के राजा तूतनखामुन की कब्र का प्रवेश द्वार खोजा।

आत्मविश्वास और परिश्रम से बनाएं अपनी पहचान, समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं युवा : राज्यपाल रमेन डेका

पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के सप्तम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

विश्व केसरी■



बिलासपुर (रवि सिंह)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि युवा आत्मविश्वास, निरंतर प्रयास और अपनी विशिष्ट प्रतिभा के बल पर जीवन में आगे बढ़ें। असफलता से घबराने के बजाय उसके कारणों को समझें और गलतियों से सीखकर पुन: प्रयास करें। शिक्षा का उपयोग व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए भी होना चाहिए। राज्यपाल पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर के सप्तम दीक्षांत समारोह को अध्यक्षीय आसंदी से संबोधित करते हुए कहा। समारोह में पिछले पांच वर्षों के 24 हजार 800 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा की उपाधियां प्रदान की गईं।

समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक धरमलाल कौशिक एवं सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा, नेक अध्यक्ष नागेश्वर राव, विश्वविद्यालय के कुलपति वीरेंद्र कुमार सारस्वत तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उन्नत आधिकारिक वेबसाइट का लोकार्पण और स्मारिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से एकलव्य विद्यालय देवपहरी के 311 विद्यार्थियों को बैग, स्वेटर, टिफिन एवं पानी की बोतलें वितरित की गईं। राज्यपाल डेका ने उपाधि एवं पदक प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियों में अभिभावकों, गुरुजनों और शिक्षण संस्थानों का महत्वपूर्ण योगदान है। दीक्षांत समारोह जीवन में नई ऊर्जा और नई जिम्मेदारियों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ क्षेत्रों तक ज्ञान पहुंचाने और शिक्षा के अवसरों का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने ज्ञान तक पहुंच आसान बनाई है। युवाओं को इन साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए अपनी विचारशक्ति और रचनात्मक क्षमता को विकसित करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आज रोजगार और आजीविका के अनेक नए क्षेत्र उपलब्ध हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता पहचानकर पूरी मेहनत से आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में अपना स्थान स्वयं बनाना पड़ता है। दूसरों की नकल अथवा तुलना करने के बजाय अपनी विशिष्टता पर विश्वास रखें। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों पर अपनी अपेक्षाएं थोपने के बजाय उनकी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने में सहयोग दें।

डेका ने जीवन में आंतरिक संतुष्टि, संतुलन और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की आवश्यकता बताई। उन्होंने डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचने और अपने समय का सार्थक कार्यों में उपयोग करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पौधे लगाने और उनकी देखभाल जैसे कार्यों से समाज में बदलाव ला सकता है। जीवन में ऐसा कार्य अवश्य करें, जिसका उद्देश्य केवल लेन-देन नहीं, बल्कि सकारात्मक परिवर्तन हो। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने उपाधि एवं पदक प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज के उत्थान में करें। स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक पंडित सुंदरलाल शर्मा के नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय उन लोगों के सपनों को साकार कर रहा है, जो कामकाज अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण नियमित अध्ययन नहीं कर पाते।

सशक्त नारी और युवा शक्ति के संकल्प से बनाएंगे विकसित छत्तीसगढ़: अरुण साव

विश्व केसरी■



बिलासपुर (रवि सिंह)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज पुलिस परेड मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि साव ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सशक्त नारियों और हुनरमंद युवाओं की भागीदारी से विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प साकार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार जनकल्याण, अधोसंरचना विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए अग्रसर है। उन्होंने बिलासपुर में राज्योत्सव के आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री साव ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोगों की भावनाओं और कठिनाइयों को समझकर पृथक राज्य की सौगात दी। धन-धान्य, वन और खनिज संपदा से समृद्ध छत्तीसगढ़ को अलग पहचान दिलाने वाले अटल जी सदैव यहां के लोगों के हृदय में बसे रहेंगे। उनके सपनों के अनुरूप समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। साव ने कहा कि राज्योत्सव की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' सरकार की प्राथमिकताओं को अभिव्यक्त करती है। महतारी वंदन योजना और बिहान के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। युवाओं की शिक्षा और कौशल विकास के लिए नए संस्थान प्रारंभ किए जा रहे हैं। फैशन डिजाइनिंग जैसे क्षेत्रों में भी अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। प्रत्येक जिले में नालंदा परिसर के निर्माण से युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। यहां के युवा अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहरा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। खेल अलंकरण सम्मान पुन: शुरू किया गया है। पहली बार आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में सुदूर गांवों के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। उन्होंने मैनपाट की टीम के कक्षा ग्यारहवीं के खिलाड़ी मोहित के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवा भी अपनी प्रतिभा से टीम को जीत दिला रहे हैं। बहतराई खेल प्रशिक्षण केंद्र की दो बेटियों की उपलब्धियों की सराहना कर कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी लगातार प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं और सरकार उन्हें आगे बढ़ने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

साव ने बताया कि सरकार मोदी की गारंटियों को पूरा करते हुए विकास कार्यों को गति दे रही है। बिलासपुर में बड़ी संख्या में सड़कों की स्वीकृति मिली है और अधोसंरचना का विस्तार हो रहा है। प्रदेश की बेहतर औद्योगिक नीति के कारण देश-दुनिया के निवेशक छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए रुचि दिखा रहे हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी बोले - लोकतंत्र भारत की आत्मा है, युवा उसकी

विश्व केसरी■



जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा रविवार 02 नवंबर को बैरिस्टर ठाकुर छेदी लाल महाविद्यालय जांजगीर में जांजगीर विधानसभा स्तरीय युवा संवाद एवं छात्र प्रतिस्पर्धा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है और युवा उसकी शक्ति हैं। भीड़तंत्र और अराजकता फैलाने वाली शक्तियों से लोकतंत्र की रक्षा करना आज के युवा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। योजनाओं की दी जानकारी-कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने युवाओं से सीधा संवाद स्थापित करते हुए भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक संरचना, एस. आई. आर. (सदस्यता, सक्रियता, राष्ट्रवाद) से संबंधित विस्तृत जानकारियां साझा कीं।

वक्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा युवाओं के लिए चलाई जा रही प्रेरणादायक योजनाओं - स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा योजना, अग्निवीर योजना, खेलो इंडिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और युवाओं को इन योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्कृष्ट कार्यों, उनके दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान युवाओं से किया।

सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्थापना दिवस समारोह का हुआ भव्य आयोजन

विश्व केसरी■



सक्ती (ईश्वर लोधी)। सांसद राज्यसभा देवेंद्र प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में आज जिला स्तरीय राज्य स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर के समीप स्थित जेठा ग्राउंड सक्ती में किया गया। मुख्य अतिथि सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह के द्वीप प्रज्वलन के पश्चात राज्य गीत, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। जेठा ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय राज्य स्थापना दिवस समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, बच्चे सहित जिलेवासी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। राज्योत्सव कार्यक्रम जिलेवासियों की उपस्थिति में पूरे उत्साह और उल्लास के साथ राज्य का 26वा स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। राज्योत्सव समारोह में पूर्व सांसद गुहाराम अजगल्ले, पूर्व विधायक, डॉ. खिलावन साहू, अध्यक्ष जिला पंचायत सक्ती द्रौपदी कीर्तन चन्द्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल, जिला पंचायत सदस्य विद्या सिदार, अध्यक्ष जनपद पंचायत सक्ती नीतू राय, अध्यक्ष जनपद पंचायत जैजैपुर पुष्पा परदेशी खूंटे, अध्यक्ष जनपद पंचायत मालखरौदा कवि वर्मा, अध्यक्ष जनपद पंचायत डभरा अरूणा महेंद्र सिंह सिदार, अध्यक्ष नगरपालिका परिषद सक्ती श्याम सुंदर अग्रवाल, टिकेश्वर गबेल, अभिषेक शर्मा, रामनरेश यादव, चितरंजय पटेल, कलेक्टर जयजैन, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ वासु जैन, अपर कलेक्टर नवीन भगत, अपर कलेक्टर के एस पैंकरा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण, जिले के युवा, बच्चे, महिला, पुरुष, बुजुर्ग, गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन व सभी वर्गों के लोगों सहित बड़ी संख्या में जिलेवासी शामिल हुए।

जिला स्तरीय राज्य स्थापना दिवस समारोह में सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे सभी जिलेवासियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों कर्मचारियों, युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं, पुरुषों सहित सभी को राज्य स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। सांसद ने कहा की आज मेरा सौभाग्य है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सक्ती जिले में मुझे शामिल होने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि 1 नवम्बर 2000 को जिस समय राज्य का निर्माण हुआ था उस समय प्रदेश में विकास कम थे। पहले हमे राजधानी भोपाल जाने के लिए काफी समय और सुविधाओं की कमी रहती थी। रेल की सुविधाओं, तकनीकी सुविधाओं सहित अन्य कई विकास कार्यों की कमी थी। लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण और स्थाई सरकार बनने के बाद प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। राज्य गठन के बाद प्रदेश में पीडीएस सिस्टम से एक रुपए प्रति किलो चांवल दिया जाता था इसी प्रकार वर्तमान में प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी की सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश निर्माण के बाद अब तक आदिवासी समाज का मुख्यमंत्री नहीं बना था। लेकिन आज गर्व की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री है।

प्रशासनिक शिथिलता एवं कर्तव्य के प्रति उदासीनता पर संभागायुक्त की कार्रवाई

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने एक आदेश जारी कर करमचंद जाटवर, नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार, बिहारपुर, जिला सूरजपुर की कार्यशैली एवं आचरण शासकीय सेवक के विपरीत होने पर निलंबित कर दिया है। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार, 17 अक्टूबर 2026 को ग्राम कुबेरपुर में ट्रैक्टर दुर्घटना के बाद उत्पन्न कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में प्रशासनिक शिथिलता एवं सिविल सेवक के कर्तव्य के प्रति उदासीनता तथा लापरवाही बरती गई है। जाटवर का कृत्य शासकीय सेवा की गरिमा के सर्वथा विपरीत एवं गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है। जाटवर का उक्त कृत्य छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के सर्वथा विपरीत है।

आयुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा के द्वारा करमचंद जाटेवर, नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार, बिहारपुर जिला सूरजपुर को छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में जाटवार का मुख्यालय कार्यालय संभागीय पटवारी प्रशिक्षण शाला अम्बिकापुर जिला सरगुजा नियत किया गया है। उन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

निर्माण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, तय समय में पूरे करें सभी काम: अरुण साव

विश्व केसरी■



मुंगेली (रवि शुक्ला)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने सोमवार को मुंगेली नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन प्रवेश द्वार, स्विमिंग पूल, नालंदा परिसर और नगर पालिका भवन का निरीक्षण कर अधिकारियों से कार्यों की प्रगति और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। साव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे हों और निर्माण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। साव के साथ विधायक धरमलाल कौशिक,भाजपा जिला अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी,नगर पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा,एल्डरमैन संजय वर्मा, एल्डरमैन अमितेश विज्जु आर्य भी निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री साव ने सबसे पहले साइंस कॉलेज के पास नवागढ़ रोड पर निर्माणाधीन प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने स्विमिंग पूल और नालंदा परिसर के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने दोनों निर्माणाधीन परिसरों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

साव ने नगर पालिका भवन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इन्हें निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब और लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अधिकारी कार्यों की प्रगति पर विशेष ध्यान दें और इन्हें समय पर पूरा कराएं। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री साव कर्मा माता मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़वासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश की निरंतर उन्नति और प्रगति के लिए भी प्रार्थना की।

अम्बिकापुर के प्रमुख मार्गों पर जाम से मिलेगी राहत, नगर निगम ने निर्धारित किए अस्थायी पार्किंग स्थल

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। शहर के प्रमुख एवं व्यस्ततम मार्गों पर यातायात जाम की समस्या से आम नागरिकों और व्यवसायियों को राहत दिलाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा अस्थायी पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की गई है।

नगर निगम क्षेत्रांतर्गत देवीगंज रोड, सदर रोड, स्कूल रोड एवं जयस्तम्भ चौक जैसे प्रमुख मार्गों पर अत्यधिक भीड़ के कारण अक्सर यातायात जाम की स्थिति निर्मित होती है। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापारियों को भी आवागमन एवं व्यवसायिक गतिविधियों में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत देवीगंज मार्ग में निशांत मेडिकोज के बगल में स्थित भूमि, महामाया चौक के लिए नगर निगम स्कूल मैदान, स्कूल रोड एवं गुदरी चौक के लिए मल्टीपर्पज स्कूल मैदान, ब्रम्ह रोड एवं सदर रोड के लिए पुराना बस स्टैंड तथा राज्य परिवहन डिपो स्थित मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

नगर निगम आयुक्त ने आम नागरिकों एवं संबंधित मार्गों पर आने वाले आगंतुकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और जाम की समस्या से निजात मिल सके।

छत्तीसगढ़ को विकास के सशक्त मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में राज्य शासन कर रही है कार्य: कृषि मंत्री रामविचार नेताम

विश्व केसरी■





अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। राज्योत्सव 2026 समारोह का शानदार आयोजन अम्बिकापुर के कला केंद्र मैदान में हुआ। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम ने उपस्थित लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस दौरान मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने राज्योत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच और ऐतिहासिक निर्णय का परिणाम है। इसके लिए उन्होंने वाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के 26 वर्ष पूरे होना छत्तीसगढ़वासियों के लिए गौरव और ऐतिहासिक उपलब्धि का अवसर है। राज्य निर्माण के बाद से छत्तीसगढ़ ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की है और आज प्रदेश तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है। प्रदेश में सड़कों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है तथा गांव-गांव तक पक्की सड़क, आवास और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को विकास के एक सशक्त मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।

राजपुरिकला में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या, अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

विश्व केसरी■



लखनपुर (रिक्की)। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राजपुरिकला के टिकरापारा में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 40 वर्षीय अंगद राम चौधरी का शव घर के बाहर बाड़ी में खून से लथपथ हालत में मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज कर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम राजपुरिकला निवासी महादेव चौधरी ने लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके बड़े भाई अंगद राम चौधरी 2 नवंबर की रात करीब 7:30 बजे अपने घर में अकेले थे। इसी दौरान वे पड़ोस में रहने वाले धर्मेंद्र चौधरी के घर गए थे, जहां धर्मेंद्र के बुजुर्ग दादा जगसाय चौधरी की देखरेख की जा रही थी। बताया गया कि अंगद राम शराब के नशे में थे, जिसके बाद धर्मेंद्र चौधरी उन्हें उनके घर छोड़कर आया था।

इसके बाद रात में किन परिस्थितियों में अंगद राम की मौत हुई, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। रिपोर्ट के मुताबिक, किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी हत्या कर शव घर के बाहर बाड़ी में फेंक दिया गया। 3 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे गांव के रोशन चौधरी ने महादेव चौधरी को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही महादेव चौधरी अपने पिता के साथ मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने अपने बड़े भाई का शव खून से लथपथ हालत में देखा। मृतक के सिर में गंभीर चोट के निशान थे और कपड़े भी खून से सने हुए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए लखनपुर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच-पड़ताल की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

सोने से मोहभंग! ज्वेलरी और निवेश के लिए तीसरी तिमाही में मांग 19 प्रतिशत तक घटी

विश्व केसरी■

मुंबई। वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी और निवेश के लिए सोने की मांग में 2026 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में क्रमश:19 प्रतिशत और 14 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। यह जानकारी वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

डब्ल्यूजीसी ने बताया कि वैश्विक स्तर पर 2026 की तीसरी तिमाही में ज्वेलरी के लिए सोने की मांग सालाना आधार पर 19 प्रतिशत घटकर 340.1 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 420.0 टन थी।

साथ ही कहा कि इस दौरान निवेश के लिए भी सोने की मांग में कमी देखने को मिली है। यह सालाना आधार पर 14 प्रतिशत कम होकर 479.0 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 554.3 टन थी।



निवेश कैटेगरी में बार और कॉइन की मांग सालाना आधार पर 19 प्रतिशत कम होकर 267.8 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 328.6 टन थी।

वहीं, गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स) के जरिए सोने की मांग सालाना आधार पर 6 प्रतिशत कम होकर 211.2 टन हो गई है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 225.7 टन थी।

हालांकि, केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की लगातार खरीद जारी है। डब्ल्यूजीसी के मुताबिक, दुनिया के केंद्रीय बैंकों और अन्य संस्थानों ने 2026 की तीसरी तिमाही में 321.2 टन सोना खरीदा है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि के 226.3 टन से 42 प्रतिशत अधिक है।

वहीं, दुनिया में कुल सोने की मांग 2026 की तीसरी तिमाही में 1,368.6 टन रही है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 1,383.2 टन से सालाना आधार पर एक प्रतिशत कम है।

डब्ल्यूजीसी के मुताबिक, 2026 की तीसरी तिमाही में खदानों से सोने का उत्पादन 1,070.9 टन रहा है, जो कि 2025 की तीसरी तिमाही के उत्पादन 1,040.7 टन से 3 प्रतिशत अधिक है।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन शानदार तेजी; सेंसेक्स 1,225 अंक उछला

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र मजबूती देखी गई। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,225.07 अंक या 1.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,917.85 और निफ्टी 370.05 अंक या 1.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,810.85 पर बंद हुआ।

बाजार में तेजी को सहारा एफएमसीजी, रियल्टी और खपत से जुड़े शेयरों ने दिया। इसके चलते सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी 3.65 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 2.33 प्रतिशत और निफ्टी कंजप्शन 2.29 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.98 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.84 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 1.71 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 1.33 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.33 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 1.10 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.84 प्रतिशत की तेजी के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांकों में शामिल थे।

दूसरी तरफ निफ्टी पीएसयू बैंक -1.27 प्रतिशत, निफ्टी मेटल -0.14 प्रतिशत और निफ्टी एनर्जी -0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मजबूती देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 612.85 अंक या 1.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 58,596.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 57.55 अंक या 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,652.85 पर था।

जानकारों ने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजारों में सुधार का सिलसिला जारी रहा। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में कमी और एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) की फिर से बढ़ती दिलचस्पी ने हाल के मैक्रो दबावों को कम किया है। दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों ने घरेलू विकास के नजरिए पर भरोसा और बढ़ाया है। लंबे समय तक बिकवाली करने के बाद विदेशी निवेशकों की वापसी से बाजार में लिक्विडिटी (नकदी) बढ़ी है, जिससे वित्तीय और उपभोग-आधारित क्षेत्रों की अगुवाई में बाजार में व्यापक भागीदारी देखने को मिली है।

अक्टूबर में व्हाइट-कॉलर नौकरियों में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी, मैन्युफैक्चरिंग और एआई स्किल्स की मांग सबसे मजबूतः रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत में व्हाइट-कॉलर नौकरियों की भर्ती गतिविधियों में अक्टूबर 2026 के दौरान मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। रोजगार वेबसाइट नौकरी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में व्हाइट-कॉलर हायरिंग सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़ी। मैन्युफैक्चरिंग, उत्पादन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े कौशलों की बढ़ती मांग ने इस वृद्धि को गति दी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर 2026 में नौकरी बाजार का संकेतक जॉबस्पीक इंडेक्स बढ़कर 2,836 पर पहुंच गया, जबकि अक्टूबर 2025 में यह 2,480 था। रिपोर्ट में कहा गया है कि वृद्धि का एक कारण अनुकूल आधार प्रभाव भी रहा, क्योंकि पिछले वर्ष दिवाली अक्टूबर में पड़ने से भर्ती गतिविधियां अपेक्षाकृत धीमी रहीं थीं।

उद्योगों के प्रदर्शन की बात करें तो ऑटोमोबाइल क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां भर्ती में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद बीपीओ/आईटीईएस क्षेत्र में 17 प्रतिशत और बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

सभी उद्योगों को मिलाकर उत्पादन और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी नौकरियों की मांग 39 प्रतिशत बढ़ी, जिससे यह सबसे तेजी से बढ़ने वाले जॉब फंक्शनों में शामिल हो गया।

इंफो एज (इंडिया) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हितेश ओबेरॉय ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां अपनी क्षमता विस्तार पर काम कर रही हैं और एआई स्किल्स की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है, जो यह संकेत देता है कि वर्तमान भर्ती रुझान मजबूत व्यावसायिक बुनियाद और वास्तविक मांग पर आधारित हैं।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उत्पादन और मैन्युफैक्चरिंग भूमिकाओं के लिए भर्ती 41 प्रतिशत बढ़ी, जबकि अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में 53 प्रतिशत और खरीद एवं सप्लाई चेन से जुड़ी नौकरियों में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके मुकाबले बिक्री और व्यवसाय विकास से जुड़ी भर्ती केवल 7 प्रतिशत बढ़ी। रिपोर्ट के अनुसार, ऑटो कंपनियां वाहन डिजाइन, उत्पादन और सप्लाई चेन को मजबूत करने के लिए तेजी से भर्ती कर रही हैं, जबकि बिक्री कार्यों में अपेक्षाकृत सीमित विस्तार देखा गया।

यही रुझान औद्योगिक उत्पाद और भारी मशीनरी क्षेत्र में भी देखने को मिला। इस सेक्टर में उत्पादन संबंधी भर्ती 40 प्रतिशत और गुणवत्ता आश्वासन पदों पर भर्ती 41 प्रतिशत बढ़ी। वहीं निर्माण, इंजीनियरिंग, सीमेंट और धातु क्षेत्र में उत्पादन भूमिकाएं 33 प्रतिशत, प्रोजेक्ट एवं प्रोग्राम मैनेजमेंट 25 प्रतिशत और साइट इंजीनियरिंग नौकरियां 20 प्रतिशत बढ़ीं।

एफएमसीजी क्षेत्र में कुल भर्ती वृद्धि 6 प्रतिशत रही, लेकिन यहां भी उत्पादन से जुड़े पदों पर भर्ती 40 प्रतिशत और खरीद से संबंधित भूमिकाओं में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके विपरीत बिक्री और व्यवसाय विकास से जुड़े पदों पर भर्ती 5 प्रतिशत घट गई।

एसबीआई का दूसरी तिमाही में मुनाफा 14 प्रतिशत बढ़ा, एसेट क्वालिटी में हुआ सुधार

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मंगलवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे जारी किए। इस दौरान बैंक का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 14.3 प्रतिशत बढ़कर 23,038 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इसमें सहयोगी कंपनी में हिस्सेदारी बिक्री से आई एक मुश्त आय भी शामिल है।

एसबीआई को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में अपनी सहयोगी कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में 6.30 प्रतिशत की हिस्सेदारी बिक्री से 7,288 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे।

इससे पहले वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 20,160 करोड़ रुपए रहा था।

वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 49,143 करोड़ रुपए रही है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 42,847 करोड़ रुपए थी।

वित्त वर्ष 27 की जुलाई-सितंबर अवधि में एसबीआई का ऑपरेटिंग मुनाफा सालाना आधार पर 1.4 प्रतिशत कम होकर 26,937 करोड़ रुपए रह गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 27,311 करोड़ रुपए था।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक का प्रोविजन घटकर 4,217 करोड़ रुपए रह गया है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 5,400 करोड़ रुपए और इससे पहले की तिमाही में 5,047 करोड़ रुपए पर था। समीक्षा अवधि में बैंक की एसेट क्वालिटी में भी सुधार देखने को मिला है। बैंक का ग्रॉस एनपीए 1.39 प्रतिशत रहा है, जो कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 1.47 प्रतिशत था। वहीं, नेट एनपीए घटकर 0.36 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 0.38 प्रतिशत था।

सरकार सीमित राजकोषीय प्रभाव के साथ एलटीसीजी टैक्स को कर सकती है खत्मः एसबीआई रिसर्च



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सरकार सभी निवेशक श्रेणियों के लिए दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कर को समाप्त कर सकती है और इसके बावजूद राजकोषीय समेकन के रोडमैप पर इसका बहुत अधिक असर नहीं पड़ेगा। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, एलटीसीजी टैक्स खत्म करने से सरकार के राजस्व में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 0.1-0.2 प्रतिशत के बराबर कमी आएगी। इससे वित्त वर्ष 2027-28 में सरकार को होने वाला राजस्व नुकसान 40,000-50,000 करोड़ रुपए तक सीमित रहने की संभावना है।

साथ ही कहा कि राजकोषीय घाटे के लक्ष्यों को मोटे तौर पर तय दायरे में रखते हुए इस नुकसान को सहन किया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमारा मानना है कि यदि सैद्धांतिक रूप से सभी पूंजीगत लाभ कर समाप्त कर दिए जाएं, तो भी सरकार इस वित्तीय झटके को सहन करने में सक्षम होगी।'

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025-26 में एलटीसीजी टैक्स संग्रह करीब एक लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 में इसके घटकर 40,000-50,000 करोड़ रुपए रहने की संभावना जताई गई है।

वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए का संग्रह असाधारण बाजार परिस्थितियों को दर्शाता है। इससे पिछले वर्ष भारतीय शेयर बाजारों ने करीब 30 प्रतिशत का रिटर्न दिया था, जिसके चलते विदेशी निवेशकों ने मुनाफावसूली की थी।

हालांकि, हालिया बाजार परिस्थितियां इससे काफी अलग हैं। पिछले तीन वर्षों में निफ्टी का औसत रिटर्न महज 0.5 प्रतिशत रहा है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने कुल मिलाकर 4.8 लाख करोड़ रुपए की निकासी की है।

रिपोर्ट में पूंजीगत लाभ कर के व्यापक ढांचे में बदलाव का भी सुझाव दिया गया है। इसमें खुदरा निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए सालाना एलटीसीजी टैक्स छूट की सीमा मौजूदा 1.25 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए करने और इसे महंगाई दर से जोड़ने की सिफारिश की गई है।

रिपोर्ट में निवेश की अवधि बढ़ने के साथ टैक्स दरों को कम करने का भी प्रस्ताव दिया गया है। इसके तहत दो से तीन साल तक रखे गए निवेश पर होने वाले लाभ पर 5 प्रतिशत टैक्स लगाया जा सकता है, जबकि तीन साल से अधिक अवधि तक रखी गई संपत्तियों पर एलटीसीजी टैक्स शून्य किया जा सकता है।

वहीं, एक से दो साल तक रखे गए निवेश पर मौजूदा 12.5 प्रतिशत टैक्स दर जारी रखने का सुझाव दिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 'टर्म डिपॉजिट को बचतकर्ताओं के बीच अधिक पसंद किया जा रहा है और ऊंची ब्याज दरों के कारण इनमें निवेश का अनुपात बढ़ा है। यदि अलग-अलग परिपक्वता अवधि पर लागू मौजूदा कर व्यवस्था को हटाकर सभी अवधियों के लिए एक समान 15 प्रतिशत टैक्स दर लागू की जाती है, तो सरकार को करीब 10,500 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हो सकता है। बचत जमा और सावधि जमा दोनों को मिलाकर राजस्व का कुल नुकसान करीब 12,000 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।'

आरबीआई ने फ्रीलांसर और सर्विस निर्यातकों के लिए रिपोर्टिंग नियमों को किया आसान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सेवाएं निर्यात करने वाले निवासी व्यक्तियों के लिए 'एक्सपोर्ट डिक्लेरेशन फॉर्म' (ईडीएफ) के अनुपालन नियमों को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। इसके अनुसार, फ्रीलांसर और सर्विस निर्यातक व्यक्ति भुगतान से जुड़ी जरूरी जानकारी अपने अधिकृत डीलर (एडी) बैंक को उपलब्ध करा देंगे, तो यह मान लिया जाएगा कि उन्होंने ईडीएफ जमा कर दिया है।

आरबीआई ने 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन (वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात और आयात) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2026' जारी किए, जो 1 अक्टूबर, 2026 से पिछली तारीख से लागू हो चुके हैं।

सितंबर में अधिसूचित पिछली व्यवस्था के तहत, सेवा निर्यातकों को उस महीने के खत्म होने के 30 दिनों के भीतर ईडीएफ जमा करना होता था, जिस महीने में इनवॉइस जारी किया गया था। इस घोषणा की मदद से अधिकृत डीलर बैंक, आरबीआई के 'एक्सपोर्ट डेटा प्रोसेसिंग एंड मॉनिटरिंग सिस्टम' (ईडीपीएमएस) में निर्यात लेनदेन को दर्ज कर सकते थे और निर्यात से प्राप्त होने वाली राशि की प्राप्ति को ट्रैक कर सकते थे। जो निर्यातक किसी महीने के दौरान एक या अधिक प्राप्तकर्ताओं को सेवाएं देते हैं, वे ऐसे सभी निर्यातों के लिए एक ही ईडीएफ जमा कर सकते हैं। सॉफ्टवेयर के अलावा अन्य सेवाओं के निर्यातक, भुगतान प्राप्त होने की तारीख पर या उससे पहले ईडीएफ जमा कर सकते हैं। फेमा के तहत, ईडीएफ एक ऐसा दस्तावेज है जिसे निर्यातक अपने एडी बैंक (अधिकृत डीलर बैंक) को सौंपता है। इसमें निर्यात की गई सेवाओं और विदेशी ग्राहकों से मिलने वाले संभावित भुगतान की जानकारी दी जाती है। इस स्पष्टीकरण के अनुसार, जो व्यक्ति विदेशी ग्राहकों से कमाई करते हैं - जैसे कि फ्रीलांसर, यूट्यूबर और स्वतंत्र पेशेवर - उन्हें अलग से ईडीएफ जमा करने की जरूरत नहीं है, बशर्ते वे भुगतान से जुड़ी जरूरी जानकारी अपने बैंक को दे दें।



2 नवंबर को अधिसूचित किए गए नवीनतम संशोधन में 'निवासी व्यक्ति' की परिभाषा भी दी गई है और यह स्पष्ट किया गया है कि ईडीएफ कब 'जमा माना जाएगा'। आरबीआई ने 'निवासी व्यक्ति' को भारत में रहने वाले एक वास्तविक व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया है।

मजबूत औद्योगिक मांग के चलते भारत में वेयरहाउसिंग की मांग तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचीः रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। मजबूत औद्योगिक मांग और लॉजिस्टिक्स गतिविधियों में तेजी के चलते भारत के वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र ने 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन दर्ज किया है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की जुलाई-सितंबर तिमाही में देशभर में 1.058 करोड़ वर्गफुट (10.58 मिलियन स्क्वायर फीट) वेयरहाउस स्पेस का अवशोषण (लीजिंग) दर्ज किया गया, जबकि 2026 के पहले नौ महीनों में कुल अवशोषण बढ़कर 3.26 करोड़ वर्गफुट (32.6 मिलियन स्क्वायर फीट) तक पहुंच गया, जो पिछले तीन वर्षों का सबसे उच्च स्तर है।

वेस्टियन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और व्यापक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद वेयरहाउसिंग क्षेत्र में मांग मजबूत बनी रही। तिमाही आधार पर लीजिंग गतिविधि में 0.2 प्रतिशत और सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।



रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान इस क्षेत्र में 33.2 करोड़ डॉलर (332 मिलियन डॉलर) का संस्थागत निवेश आकर्षित हुआ। यह कुल तिमाही निवेश का 17 प्रतिशत हिस्सा रहा, जो पिछले दो वर्षों में किसी भी तिमाही का सबसे ऊंचा स्तर है।

वेस्टियन के सीईओ श्रीनिवास राव ने कहा कि भारत का वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र अब पारंपरिक मांग स्रोतों से आगे बढ़ रहा है। थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि लगातार मजबूत मांग, बुनियादी ढांचे में सुधार और सरकारी नीतिगत समर्थन इस क्षेत्र की दीर्घकालिक संभावनाओं को और मजबूत बना रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बढ़ती खपत, विनिर्माण गतिविधियों का विस्तार और आधुनिक लॉजिस्टिक्स सुविधाओं की बढ़ती जरूरत निवेशकों को आकर्षित कर रही है। यही वजह है कि आधुनिक और तकनीक-आधारित वेयरहाउसिंग परिसंपत्तियों में निवेश का रुझान मजबूत बना हुआ है।

सेक्टोरल हिस्सेदारी की बात करें तो 3पीएल क्षेत्र तीसरी तिमाही में भी सबसे बड़ा लीजिंग सेगमेंट रहा, हालांकि इसकी हिस्सेदारी पिछली तिमाही के 41 प्रतिशत से घटकर 29 प्रतिशत रह गई। इसके बाद इंजीनियरिंग एवं मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत और ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्र की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही।

दिवाली पर क्या पहनेंगी आप? नुसरत भरूचा के इन लुक्स से मिलेंगे शानदार फैशन



नुसरत भरूचा गोल्डन रंग के खूबसूरत आउटफिट में बेहद शानदार नजर आ रही हैं. हैवी एम्बेलिश्ड ब्लाउज और खूबसूरती से ड्रेप की गई स्कर्ट उनके लुक को खास बना रही है. आउटफिट की बारीक कारीगरी, स्टेटमेंट इयररिंग्स और ग्लैमरस सिल्हूट उनके फेस्टिव लुक में खूबसूरती और आकर्षण का बेहतरीन कॉम्बिनेश है.

नुसरत वाइन रेड रंग के ग्लैमरस आउटफिट में बेहद आकर्षक लग रही हैं. एम्बेलिश्ड कॉर्सेट ब्लाउज और स्टाइलिश स्लिट स्कर्ट उनके लुक को बोल्ड और मॉडर्न टच दे रहे हैं. उनका यह अंदाज फेस्टिव फैशन में ग्लैमर का शानदार तड़का लगा रहा है.

भरूचा रेड लहंगे में पारंपरिक खूबसूरती और शाही अंदाज का शानदार मेल पेश कर रही हैं. गोल्डन एम्ब्रॉयडरी से सजा यह लहंगा उनके लुक को और भी खास बना रहा है. स्टेटमेंट जूलरी के साथ उनका यह अंदाज दिवाली के लिए एक परफेक्ट फेस्टिव लुक है.

भरूचा चमकदार पिंक लहंगे में फेस्टिव माहौल को और भी रंगीन बनाती नजर आ रही हैं. स्टाइलिश ब्लाउज और खूबसूरत मांग टीका उनके लुक को खास बना रहे हैं. उनका यह अंदाज पारंपरिक खूबसूरती और मॉडर्न ग्लैमर का बेहतरीन मेल है.

नुसरत भरूचा ब्लैक साड़ी में अपने खूबसूरत और ग्रेसफुल अंदाज से दिल जीतती नजर आ रही हैं. साड़ी पर बना अलग रंग का बॉर्डर उनके लुक को खास बना रहा है. स्टाइलिश ब्लाउज और बड़े इयररिंग्स के साथ उनका यह अंदाज सादगी, खूबसूरती और क्लास का शानदार मेल है.

लहंगे में नुसरत भरूचा का अंदाज बेहद खूबसूरत है. आउटफिट पर की गई बारीक सजावट और खास डिजाइन वाला ब्लाउज उनके लुक को खास बना रहे हैं. उनका यह आउटफिट दिवाली के जश्न में चमक और ग्लैमर जोड़ने के लिए एक शानदार विकल्प है.

एम्ब्रॉयडरी वाले मैरून लहंगे में नुसरत बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. स्टेटमेंट ब्लाउज और शीयर दुपट्टा उनके पारंपरिक लुक में चार चांद लगा रहे हैं. वहीं, उनकी शानदार जूलरी इस पूरे लुक में फेस्टिव एलिगेंस का खूबसूरत टच जोड़ रही है.

मुख्य दरवाजे से ब्रह्मस्थान तक ध्यान रखें इन बातों का, तभी मिलेगा नए घर में सुकून



घर खरीदना हर एक व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा सपना होता है. कुछ लोग घर खरीदने से पहले वहां मिलने वाली सुविधाएं, डिज़ाइन और आस पास की माहौल देखकर बुकिंग करते हैं तो वहीं कुछ लोग घर ख़रीदने से पहले उस जगह की एनर्जी और वास्तु के अनुसार उस घर का स्ट्रक्चर कैसा है इन महत्वपूर्ण बातों पर भी ध्यान देते हैं. कुछ लोग साल भर इंतेजार करते हैं कि नए घर की बुकिंग दीवाली के आस-पास की जाए तो अच्छा होगा. आप भी ऐसा ही कुछ प्लान कर रहे हैं और दीवाली के बाद या पहले नया घर खरीदने या उसकी बुकिंग करने जा रहे हैं तो यहां हम वास्तु के अनुसार कुछ ऐसी बातें बता रहे हैं जो आपके लिए फायदेमंद हो सकती है.

खरीदने से पहले इन 7 बातों का ध्यान जरूर रखें

. किस दिशा में हो घर का मुख्य दरवाजा?

शास्त्र के अनुसार अगर आप नया घर खरीदने जा रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि घर के मुख्य द्वार की एंट्री नॉर्थ, ईस्ट, नॉर्थ-ईस्ट (ईशान कोण) में हो. ऐसा नहीं है कि दूसरी दिशा में मिलने वाली एंट्री खराब है, लेकिन इस दिशा की एंट्री मिल जाए तो बेहतर होगा. इसके अलावा इस दिशा की एंट्री के साथ ये भी देखें कि घर के सामने गंदगी न हो, सीवेज न हो, आने-जाने के लिए पर्याप्त जगह हो.

सही दिशा में हो किचन

शास्त्र में किचन के लिए सबसे उत्तम दिशा साउथ-ईस्ट मानी गई है. इस दिशा को अग्नि कोण कहा जाता है. अगर अग्नि कोण का किचन नहीं है तो दूसरा ऑप्शन नॉर्थ-वेस्ट माना जाता है. इसके अलावा किचन हवादार हो वहां चिम्नी और एग्जॉस्ट की पर्याप्त जगह हो. पानी का कनेक्शन बढ़िया हो और खाना बनाने की जगह भी पर्याप्त हो.

. मास्टर बेडरूम के लिए ध्यान रखें ये बातें

को मास्टर बेडरूम के लिए बेस्ट डायरेक्शन माना जाता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुखिया के लिए इस दिशा का बेडरूम रिश्तों में स्थिरता देता है.

. किस दिशा में हो पूजा घर?

शास्त्र में पूजा घर के लिए बढ़िया स्थान ईशान कोण माना गया है. इस दिशा में मंदिर होना बेहद शुभ माना जाता है. पूजा घर के अलावा इस दिशा में लिविंग रूम होना भी अच्छा माना गया है.

, रिलेशनशिप, लाइफ या धर्म-ज्योतिष से जुड़ी है कोई निजी उलझन तो हमें करें , आपका नाम गोपनीय रखकर देंगे जानकारी.

. नैचुरल लाइट और वेंटीलेशन की हो पर्याप्त व्यवस्था

में आने वाली रोशनी और हवा, घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में काफी मददगार होती है. इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जो भी घर आप खरीद रहे हैं उसमें प्राकृतिक लाइट और हवा आती रहे. ये भी देख लें कि खिड़की के सामने कोई बिल्डिंग न हो साथ ही खिड़की भी सही दिशा में हो.

प्रिंस चार्मिंग नहीं, अपनी ज़िंदगी की खुद बनो क्वीन



मिस यूनिवर्स बनने से लेकर सिंगल मदर बनने और हर चुनौती का खुलकर सामना करने तक, उनका सफर लाखों लोगों के लिए एक मिसाल है. उनकी बातें सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देतीं, बल्कि हमें खुद से प्यार करना और दुनिया की परवाह किए बिना अपनी पहचान बनाना सिखाती हैं. अगर आप भी जिंदगी में किसी चुनौती का सामना कर रहे हैं या थोड़ा सा लो महसूस कर रहे हैं, तो सुष्मिता के ये विचार आपके अंदर एक नई ऊर्जा भर देंगे. हर इंसान खासतौर पर महिला की जिंदगी में ऐसा दौर आता है, जब उसे दूसरों की सोच और उम्मीदों से अलग अपनी पहचान बनाने का फैसला लेना पड़ता है. सुष्मिता सेन की जिंदगी और उनकी कही बातें हमें यही सिखाती हैं कि खुश रहने के लिए किसी प्रिंस चार्मिंग का इंतजार जरूरी नहीं. उनकी ये 10 बातें आपको खुद पर भरोसा करने और अपनी जिंदगी की खुद क्वीन बनने की हिम्मत देंगी.

कहती हैं, 'मुझे किसी 'प्रिंस चार्मिंग' (राजकुमार) की तलाश कभी नहीं रही, क्योंकि मैं अपनी ज़िंदगी की खुद क्वीन (रानी) हूँ.' यह बात सिखाती है कि हमें अपनी खुशी और वजूद के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है.

मानना है कि 'परफेक्ट होने की कोशिश मत करो, असली बनो. दुनिया को आपकी खामियों के साथ आपकी असलियत से प्यार होना चाहिए.' मुखौटा पहनने के बजाय अपनी कमियों के साथ खुद को स्वीकार करना ही असली खूबसूरती है.

अर्ध मत्स्येन्द्रासन से एड्रिनल ग्रंथि होगी मजबूत, पाचन भी होगा बेहतर

नई दिल्ली। भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपनी सेहत का ठीक से ध्यान नहीं रख पाते, जिससे कई तरह की शारीरिक समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में योगासन एक सरल और प्रभावी समाधान बनकर सामने आते हैं और इन्हीं महत्वपूर्ण आसनों में 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' शरीर के लिए काफी लाभदायक है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने और पाचन को बेहतर करने के लिए जाना जाता है।



संस्कृत में 'अर्ध' का अर्थ आधा, 'मत्स्य' का अर्थ मछली और 'इंद्र' का अर्थ राजा होता है। यह आसन महान योगी मत्स्येन्द्रनाथ के नाम पर रखा गया है। यह एक बैठकर किया जाने वाला रीढ़ को मोड़ने वाला योग आसन है, जिसका नाम महान योगी मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया है। यह न सिर्फ मांसपेशियों को लचीला बनाता है बल्कि ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर करता है और शरीर को डिटॉक्स करता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसे लेकर सटीक जानकारी दी है, जिसके अनुसार 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' रीढ़ की हड्डी की मजबूती, लचीलेपन और बेहतर पाचन तंत्र के लिए एक अत्यंत प्रभावशाली योगासन है। एड्रिनल ग्रंथि की स्थिति में सुधार होता है। साथ ही, यह कब्ज, दमा और पाचन संबंधी समस्याओं से निजात भी दिलाता है।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन का नियमित अभ्यास करने से शरीर की कई ग्रंथियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिसमें एड्रिनल ग्रंथि भी शामिल है। यह आसन शरीर में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन कोर्टिसोल को नियंत्रित करने में मदद करता है। एड्रिनल ग्रंथि ही कोर्टिसोल हार्मोन बनाती है, इस आसन से उस पर दबाव कम होता है। एड्रिनल ग्रंथि के बेहतर काम करने से शरीर में ऊर्जा का स्तर बना रहता है, थकान कम लगती है और शरीर का हार्मोनल संतुलन ठीक रहता है। योग विशेषज्ञों के अनुसार, यह आसन मधुमेह रोगियों के लिए भी एक अच्छा विकल्प है। साथ ही यह आसन पेनक्रियाज को एक्टिव करता है। 'अर्ध मत्स्येन्द्रासन' का अभ्यास करने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं लेकिन गर्भावस्था और मासिक धर्म के दौरान इस आसन को करने से बचना चाहिए। वहीं, पेप्टिक अल्सर, हर्निया या स्लिप-डिस्क की गंभीर समस्या होने पर इस आसन का अभ्यास वर्जित है।

फाउंडेशन दिखता है पैची? सर्दियों में मॉइस्चराइजर लगाने के बाद जरूर करें इतनी देर इंतजार,

सर्दियों में ठंडी हवा और कम नमी के कारण त्वचा रूखी और बेजान दिखने लगती है. इसका असर मेकअप पर भी पड़ता है. कई बार फाउंडेशन चेहरे पर अच्छी तरह नहीं फैलता, कहीं पैच नजर आते हैं तो कहीं बेस परतदार दिखने लगता है. ऐसे में मेकअप से पहले मॉइस्चराइज़र लगाना जरूरी हो जाता है, लेकिन सिर्फ मॉइस्चराइज़र लगा लेना काफी नहीं है.

इसे लगाने और मेकअप शुरू करने के बीच कितना समय देना चाहिए, यह भी मायने रखता है, अगर आप भी चाहती हैं कि सर्दियों में मेकअप चेहरे पर स्मूद दिखे और ज्यादा देर तक टिका रहे, तो मॉइस्चराइज़र लगाने का सही तरीका जानना जरूरी है.

से 5 से 10 मिनट पहले लगाएं मॉइस्चराइज़र

करने से करीब 5 से 10 मिनट पहले मॉइस्चराइज़र लगाना एक अच्छा तरीका हो सकता है. इससे क्रीम को त्वचा पर सेट होने का समय मिल जाता है. हालांकि, हर मॉइस्चराइज़र के लिए एक जैसा समय जरूरी नहीं है. हल्की जेल या लोशन जल्दी सेट हो सकती है, जबकि गाढ़ी क्रीम को थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है. मेकअप शुरू करने से पहले चेहरे को छूकर देखें, अगर त्वचा बहुत ज्यादा चिपचिपी या गीली महसूस नहीं हो रही है, तो आप अगला स्टेप शुरू कर सकती हैं, अगर चेहरे पर क्रीम की मोटी परत महसूस हो रही है, तो कुछ मिनट और इंतजार करें.

काफी नहीं है. मॉइस्चराइज़र लगाने का तरीका भी मेकअप के लुक को प्रभावित कर सकता है. साफ करें: सबसे पहले किसी माइल्ड फेस वॉश से चेहरा साफ करें. बहुत गर्म पानी से चेहरा धोने से बचें.

नमी रहने दें: चेहरा धोने के बाद तौलिए से हल्के हाथों से पोंछें. त्वचा में थोड़ी नमी रहने पर मॉइस्चराइज़र लगाना अच्छा रहता है.

लगाएं: थोड़ी मात्रा में क्रीम लेकर चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से लगाएं. इसे जोर से रगड़ने की जरूरत नहीं है.

करें: मॉइस्चराइज़र लगाने के बाद 5 से 10 मिनट का समय दें. इसके बाद प्राइमर और फाउंडेशन लगाएं.

एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी भी स्किनकेयर के सही क्रम में पहले मॉइस्चराइज़र और सनस्क्रीन लगाने और उसके बाद मेकअप करने की सलाह देती है. और ड्राई स्किन के लिए अलग रखें मॉइस्चराइज़र

में हर किसी की त्वचा एक जैसी नहीं रहती. कुछ लोगों की स्किन बहुत रूखी हो जाती है, जबकि कुछ की त्वचा ऑयली बनी रहती है. इसलिए अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मॉइस्चराइज़र चुनें.

आपकी त्वचा ड्राई है, तो क्रीम बेस्ड मॉइस्चराइज़र इस्तेमाल कर सकती हैं. वहीं ऑयली या एक्ने वाली त्वचा के लिए ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉइस्चराइज़र बेहतर विकल्प हो सकता है.

बदलते मौसम में राहत पाने के ये 3 अचूक घरेलू नुस्खे, तुरंत खुलेगा बंद गला!



जैसे-जैसे उत्तर भारत में ठंड ने दस्तक देना शुरू किया है वैसे-वैसे बदलते मौसम का असर हमारी सेहत पर दिखने लगा है. इन दिनों घर-घर में लोग सूखी खांसी, गले में खराश, सीने में जकड़न और बंद नाक जैसी परेशानियों से जूझ रहे हैं. मौसम बदलते ही सर्दी-जुकाम होना आम बात है, लेकिन इसके लिए बार-बार अंग्रेजी दवाइयां या कफ सिरप लेना सेहत के लिए ठीक नहीं है. कई बार इन दवाओं से सुस्ती और पेट भारी होने जैसी दिक्कतें भी होने लगती हैं.

ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसके असली इलाज के लिए हमें कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है, बल्कि जवाब हमारी अपनी रसोई में ही मौजूद है. हमारी रसोई में रखे कुछ खास घरेलू नुस्खे इस बदलते मौसम में किसी वरदान से कम नहीं हैं. आइए जानते हैं ऐसे ही 3 आसान और असरदार घरेलू उपायों के बारे में, जो बिना किसी साइड इफेक्ट के आपको तुरंत राहत देंगे

पहला और सबसे असरदार नुस्खा है शहद और नींबू का टॉनिक. कच्चे शहद और ताजे नींबू के रस का मेल सूखी और परेशान करने वाली खांसी के लिए रामवाण इलाज है. शहद एक प्राकृतिक ढाल की तरह काम करता है, जो गले की संवेदनशील परत पर सुरक्षा कवच बना देता है. इससे खांसी का बार-बार उठने





वाला वेग शांत होता है और इसमें मौजूद नेचुरल एंजाइम्स बैक्टीरिया से लड़ते हैं

वहीं, नींबू शरीर को भरपूर विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स देता है, जो इम्युनिटी मजबूत करते हैं और गाढ़े बलगम को पतला करने में मदद करते हैं. इसे बनाने के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच शुद्ध शहद और आधे नींबू का रस मिलाएं. गले की खराश दूर करने और राहत पाने के लिए दिन में दो बार इस टॉनिक की चुस्कियां लें.

बेहतरीन उपाय है अदरक का जादुई काढ़ा, जो बदलते मौसम की ठंड और सीने की जकड़न से लड़ने में सबसे आगे रहता है. अदरक में 'जिंजरॉल' और 'शोगॉल' जैसे खास बायोएक्टिव तत्व होते हैं, जो सूजन को कम करने और गले के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं. ताजी अदरक की गर्माहट सांस की नली की मांसपेशियों को आराम पहुंचाती है और जमा हुआ बलगम साफ करती है

तैयार करने के लिए पानी में ताजी कुटी हुई अदरक के टुकड़े डालकर 5 से 10 मिनट तक उबालें, ताकि इसके सभी गुण पानी में घुल जाएं. इसे छानकर इसमें थोड़ा सा शहद और नींबू मिला लें. यह ड्रिंक बंद गले को तुरंत खोलती है और शरीर को अंदर से गर्माहट देती है.

और बेहद कारगर उपाय है पुदीने की चाय और स्टीम. ताजी पुदीने की पत्तियां एक बेहतरीन नेचुरल डीकॉन्स्टेंट हैं, जिनमें भरपूर मात्रा में 'मेंथॉल' होता है. यह कंपाउंड सांस की नली में जमे बलगम को पतला करता है और नाक के रास्तों को खोलकर सांस लेना आसान बनाता है. बदलते मौसम में पुदीने की चाय पीने से गले की सूजन कम होती है और खांसी में राहत मिलती है



एक कप पानी में पुदीने की ताजी पत्तियां उबालकर हर्बल चाय की तरह पी सकते हैं या इसके उबलते पानी से भाप ले सकते हैं, जिससे बंद नाक तुरंत खुल जाती है. तो इस बदलते मौसम में छोटी-मोटी परेशानियों के लिए तुरंत दवा खाने के बजाय अपनी रसोई के इन आसान और नेचुरल नुस्खों को अपनाएं और स्वस्थ रहें! दिए गए घरेलू नुस्खे और स्वास्थ्य संबंधी सुझाव केवल सामान्य जानकारी और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं. इन्हें किसी भी मेडिकल सलाह, डॉक्टर के परामर्श या पेशेवर इलाज का विकल्प न समझें. यदि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई गंभीर समस्या या एलर्जी है, तो इन उपायों को अपनाने से पहले अपने चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

ऋचा चड्ढा ने 'मुसाफिरी' के टाइटल ट्रैक के लिए स्नेहा खानवलकर से मिलाया हाथ, खुद लिखे गाने के बोल

मुंबई। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपनी नॉन-फिक्शन सीरीज 'मुसाफिरी' के टाइटल ट्रैक के लिए म्यूजिक कंपोजर और सिंगर स्नेहा खानवलकर के साथ हाथ मिलाया है। इस गाने को स्नेहा ने कंपोज करने के साथ अपनी आवाज भी दी है। खास बात यह है कि गाने के बोल खुद ऋचा ने लिखे हैं। ऋचा ने स्नेहा को अपना लकी चार्म बताते हुए कहा कि दोनों का साथ कई खास मौकों से जुड़ा रहा है।

ऋचा ने एक बयान में कहा, ''मुझे गर्व है कि मैं स्नेहा को अपनी दोस्त कह सकती हूं। अगर भारत में एक हजार कहानियां हैं, तो स्नेहा शायद उन सभी के लिए साउंडट्रैक ढूंढ सकती हैं। मुझे इस गाने की गुनगुनाहट, जिज्ञासा और शरारत-भरा अंदाज बहुत पसंद आया। इसमें कहीं-कहीं लोरी जैसी मिठास भी है।''

उन्होंने आगे कहा, ''एक अभिनेत्री के तौर पर मेरी पहली फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' थी, जो स्नेहा की भी पहली



फिल्म थी। बतौर प्रोड्यूसर मेरी पहली फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में भी स्नेहा का एक गाना था और अब बतौर क्रिएटर मेरे पहले प्रोजेक्ट में भी वह मेरे साथ हैं। वह सच में मेरा लकी चार्म हैं।''

वहीं, स्नेहा खानवलकर ने ऋचा की तारीफ करते हुए कहा, ''ऋचा की अपनी एक अलग और स्वतंत्र आवाज है। उन्होंने अपनी पत्रकारिता की पढ़ाई का 'मुसाफिरी' में बखूबी इस्तेमाल किया है। यह एक शानदार, दिलचस्प और मनोरंजक शो है, जो हमें उन जगहों और इलाकों की गहराई से सैर कराता है, जिन्हें हम देखते तो रहे हैं, लेकिन जिनके बारे में कभी इतने करीब से नहीं जान पाए।''

स्नेहा ने गाने के बनने की कहानी बताते हुए कहा कि जब ऋचा ने उनसे सीरीज का टाइटल ट्रैक बनाने के लिए कहा, तो उन्होंने शुरुआत में एक बेसिक रिदमिक ट्रैक तैयार किया था। इसके साथ उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों पर धुन गुनगुनाई थी, जिनका कोई तय मतलब नहीं था। बाद में ऋचा ने उसी धुन पर खुद बोल लिखे, जिन्हें स्नेहा ने रिकॉर्ड किया। उन्होंने कहा कि ऋचा के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है।

स्नेहा खानवलकर को फिल्म 'ओए लकी! लकी ओए!' के म्यूजिक और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के दोनों पार्ट के संगीत के लिए खास पहचान मिली। वह इस कैटेगरी में नॉमिनेशन पाने वाली दूसरी महिला संगीतकार हैं। उनसे 28 साल पहले उषा खन्ना को इस कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला था।

नकारात्मक किरदारों को प्रेमनाथ ने दी नई पहचान, हिंदी सिनेमा में दिया अप्रतिम योगदान

विश्व केसरी ■



मुंबई। भारतीय सिनेमा के इतिहास में कई ऐसे कलाकार हुए, जिन्होंने अपनी शुरुआत रोमांटिक या मुख्य नायक के रूप में की लेकिन दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए वे अपने नकारात्मक किरदारों (विलेन) की वजह से छाए रहे। इसी कड़ी में एक बहुत बड़ा नाम आता है प्रेमनाथ मल्होत्रा का। उनकी दमदार आवाज, रोबदार व्यक्तित्व और शानदार अदाकारी ने उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार खलनायकों में शामिल कर दिया।

खूबसूरत कद-काठी, रोबीला चेहरा और आंखों में एक अलग तरह की तीव्रता रखने वाले प्रेमनाथ ने जब फिल्मों में कदम रखा, तो वे एक लीड हीरो थे। राज कपूर और प्रेम चोपड़ा के साले प्रेमनाथ का फिल्मी सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा।

प्रेमनाथ हिंदी सिनेमा के उन कलाकारों में शुमार हैं, जो आए तो हीरे बनने थे लेकिन जिंदगी की जद्दोजहद ने उन्हें विलेन बना दिया। पेशावर में जन्मे प्रेम नाथ भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद मध्य प्रदेश में जाकर बस गए। पिता पुलिस विभाग में थे तो उन्होंने प्रेम नाथ की भी भर्ती आर्मी में करा दी लेकिन एक्टिंग के जुनून के चलते प्रेम नाथ वहां से निकल कर सपनों की नगरी मुंबई पहुंच गए।

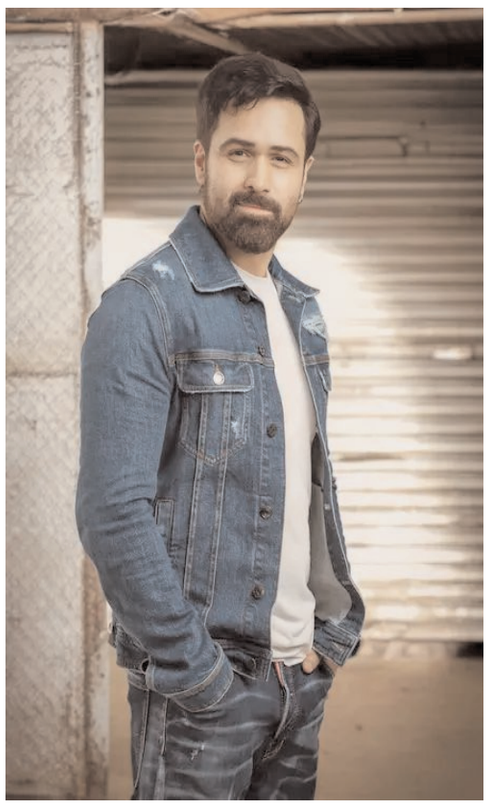
मुंबई जाकर पृथ्वी थिएटर से जुड़े और अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। पहली फिल्म से कामयाबी मिली तो फिल्मों का सिलसिला बढ़ता गया। फिल्म शूटिंग के दौरान ही उन्हें एक्ट्रेस बीना राय से प्यार हुआ और उन्हीं से शादी भी कर ली। उनकी पर्सनल लाइफ में सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में दिक्कतें आने लगीं।

फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक के चलते बीना राय ने प्रेम नाथ के साथ फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पी.एन. फिल्म्स की शुरुआत की। इस बैनर तले कई फिल्में रिलीज हुईं लेकिन अधिकतर फ्लॉप रहीं। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा फोकस एक्टिंग करियर में लगाया।

जहां एक तरफ बीना राय कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ रही थीं तो वहीं दूसरी तरफ प्रेम नाथ बतौर हीरो खुद को स्थापित करने में नाकामयाब हो रहे थे। फिल्मों में खुद की नाकामयाबी से प्रेम नाथ इतने हताश हो गए थे कि उन्होंने कुछ सालों के लिए फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। इस दौरान वे संन्यासियों की तरह जीवन जीने लगे। हालांकि कुछ साल बाद प्रेम नाथ ने फिल्मों में कमबैक किया लेकिन इस बार हीरो नहीं बल्कि विलेन के तौर पर।

करियर की दूसरी पारी में उनको सिर्फ कामयाबी हाथ लगी। जानी दुश्मन जैसी फिल्मों में प्रेम नाथ ने विलेन के किरदार में खुद को बेहतरीन ढंग से ढालकर खलनायकी को नई परिभाषा दी। शुरुआत से ही प्रेम नाथ और राज कपूर अच्छे दोस्त थे। राज कपूर की कई फिल्मों में प्रेम नाथ नजर भी आए थे। एक बार राज कपूर प्रेमनाथ के साथ रीवा गए थे। यहां राज कपूर को कृष्णा पहली नजर में ही पसंद आ गई थी और दोनों ने शादी कर ली थी। वहीं, प्रेम नाथ की दूसरी बहन उमा की शादी एक्टर प्रेम चोपड़ा से हुई थी।

इमरान हाशमी की 'रूह' में डर के साथ दिखेगा रोमांस का तड़का, संगीत बनेगा कहानी की जान



मुंबई। बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी एक बार फिर हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'रूह' में डर और रोमांस के साथ संगीत भी अहम होगा। इमरान का कहना है कि उनकी फिल्मों से दर्शकों को जोड़ने में म्यूजिक हमेशा से खास भूमिका निभाता आया है, इसलिए इस फिल्म में भी संगीत पर बारीकी से काम किया जाएगा।

के म्यूजिक को लेकर इमरान हाशमी ने कहा, ''इस फिल्म के लिए कुमार तौरानी के साथ काम करना मेरे लिए किसी संयोग से कम नहीं है। संगीत हमेशा से इस बात का अहम हिस्सा रहा है कि दर्शक मेरी फिल्मों से किस तरह जुड़ते हैं। 'रूह' के जरिए हम ऐसा संगीत पेश करना चाहते हैं, जो फिल्म की आत्मा को बयां करे। यह फिल्म रोमांस, रहस्य और भावनाओं से जुड़ी होगी।''

इस फिल्म के लिए टिप्स फिल्म्स और टिप्स म्यूजिक के कुमार तौरानी ने इमरान हाशमी के साथ हाथ मिलाया है। दोनों मिलकर 'रूह' को प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह एक म्यूजिकल हॉरर फिल्म होगी, जिसमें डर के साथ भावनाओं और रोमांस को भी खास जगह दी गई है।

कुमार तौरानी ने इमरान के साथ दोबारा काम करने को लेकर कहा, ''इमरान के साथ हमारा जुड़ाव खास है क्योंकि उनकी पहली फिल्म 'फुटपाथ' के निर्माता भी हम ही थे। पिछले कुछ सालों में हमने कई फिल्मों के जरिए यादगार सफलताएं हासिल की हैं। अब 'रूह' के साथ हम एक बार फिर उसी जादू को दोहराने के लिए उत्साहित हैं। इस प्रोजेक्ट में सनी खन्ना और विक्रम खक्कर के साथ काम करने को लेकर भी मैं उत्साहित हूं। हम दर्शकों को सिनेमाघरों में फिल्म देखने का एक शानदार अनुभव देना चाहते हैं।''

फिल्म का निर्देशन मयंक शर्मा कर रहे हैं। इसकी कहानी विशाल कपूर और मयंक शर्मा ने मिलकर लिखी है। फिल्म में हॉरर और रोमांस का मेल देखने को मिलेगा, जबकि संगीत कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

विकेड फिल्म्स प्रोडक्शंस के प्रोड्यूसर विक्रम खाखर ने कहा, ''रूह' हमारे लिए बेहद खास प्रोजेक्ट है। टिप्स फिल्म्स और टिप्स म्यूजिक का हमारे साथ जुड़ना एक बड़ी उपलब्धि है। हम सभी दर्शकों के लिए 2027 में सिनेमाघरों में एक ऐसा हॉरर अनुभव लाने के लिए उत्साहित हैं, जो उनके लिए यादगार साबित हो।''

वहीं, प्रोड्यूसर सनी खन्ना ने कहा, ''हम कुमार तौरानी और गिरीश कुमार का 'रूह' से जुड़ने पर स्वागत करते हैं। फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में उनका लंबा अनुभव इस साझेदारी को खास बनाता है। खासकर ऐसी फिल्म के लिए, जिसमें संगीत की इतनी अहम भूमिका है। इस साझेदारी के जरिए हम फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं के दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं।''

'रूह' टिप्स फिल्म्स की ओर से प्रस्तुत की जा रही है और यह विकेड फिल्म्स प्रोडक्शंस की फिल्म है। इसका निर्माण कुमार तौरानी, गिरीश कुमार, विक्रम खक्कर और सनी खन्ना कर रहे हैं। फिल्म के को-प्रोड्यूसर विकास साहनी हैं जबकि इसका म्यूजिक टिप्स म्यूजिक के बैनर तले तैयार किया जाएगा। फिल्म 2027 में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दिशा सालियान मौत मामले की जांच पर कोर्ट की निगरानी की मांग, 18 नवंबर को अगली सुनवाई

विश्व केसरी ■

मुंबई। दिवंगत दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है। इस मामले की जांच को लेकर अब कोर्ट से निगरानी की मांग की गई है। सीबीआई ने अदालत में याचिका दाखिल कर जांच की न्यायिक निगरानी की मांग की है। इस याचिका पर 18 नवंबर को सुनवाई होनी है।

मामले में वकील नीलेश ओझा ने जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिशा की मौत को छह साल बीत जाने के बाद भी कुछ अहम गवाहों के बयान दर्ज नहीं किए गए हैं। उनका तर्क है कि जांच में हो रही देरी के कारण अदालत की निगरानी जरूरी हो गई है।

सुनवाई के दौरान वकील नीलेश ओझा ने दलील दी कि तीन अहम गवाहों के बयान तय 60 दिनों की समय सीमा के भीतर दर्ज नहीं किए गए। उन्होंने यह भी दावा किया कि आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया और सूरज पंचोली से जुड़े मोबाइल लोकेशन रिकॉर्ड और दूसरी जानकारियां अदालत में जमा कराई गई हैं। हालांकि, दो अधिकारियों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।

बता दें कि दिशा सालियान एक सेलिब्रिटी मैनेजर थीं। वह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर भी रह चुकी थीं। 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक रिहायशी इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने के बाद उनकी मौत हो गई थी। उस समय मुंबई पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी। पुलिस की शुरुआती जांच में इसे आत्महत्या का मामला बताया गया था।

मोरपुर पैलेस के खुलेंगे दरवाजे, 'द रॉयल्स' सीजन 2 की शूटिंग शुरू, ईशान खट्टर समेत लौटेंगे ये सितारे

विश्व केसरी ■

अभिनेता ईशान खट्टर की रोमांटिक ड्रामा सीरीज 'द रॉयल्स' के सीजन 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। मोरपुर फैमिली अपनी शानदार केमिस्ट्री, उलझे हुए रिश्तों और बड़े ड्रामे के साथ वापसी के लिए तैयार है, जिसने सीजन 1 को दुनियाभर में चर्चा का विषय बना दिया था।

सीजन 1 ने मॉडर्न इंडियन रॉयल्टी की एक नई और ग्लैमरस झलक दिखाई थी और दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीता था। यह पहली इंडियन सीरीज बनी, जिसने नेटफ्लिक्स के ग्लोबल टॉप 10 नॉन-इंग्लिश टीवी शोज में 58 देशों में ट्रेंड किया था। इस सीरीज ने वीकली ग्लोबल रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल किया था और भारत समेत सात देशों में नंबर वन पर रही थी।

अपने पसंदीदा चेहरों की वापसी का इंतजार कर सकते हैं, जिनमें ईशान खट्टर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, विहान समत और काव्या त्रेहान अपने उन किरदारों में फिर से नजर आएंगे, जिन्हें दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। इसके साथ



ही नए सीजन को नित्या मेहरा और तनुज चोपड़ा डायरेक्ट करेंगे।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए शो के क्रिएटर्स रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने कहा, 'मोरपुर ने साफ तौर पर महल की दीवारों से कहीं आगे, दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। हम इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकते हैं। भारत समेत पूरी दुनिया से जो हमारी सीरीज को दर्शकों की ओर से प्यार मिला है, उसे हम शब्दों से बयां नहीं कर सकते हैं। हम बड़े-बड़े किरदारों, उलझे हुए रिश्तों और एक ऐसी फैमिली की इस दुनिया में वापस आने के लिए एक्साइटेड हैं, जिसमें सरप्राइज की कभी कमी नहीं होती।

कहा, 'सीजन 2 के साथ हम कहानी को आगे ले जाने, दर्शकों के पसंदीदा किरदारों को वापस लाने और रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा को और भी बढ़ाने के लिए तैयार हैं। मोरपुर में एक्सप्लोर करने के लिए अभी बहुत कुछ है। हम चाहते हैं कि दर्शक प्यार, हंसी और शाही एंटरटेनमेंट से भरपूर एक और सीजन के लिए हमारे साथ जुड़ें।

नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, 'सीजन 2 के बारे में सबसे एक्साइटिंग बात यह है कि हमें मोरपुर की दुनिया में और गहराई से जाने का मौका मिलेगा, साथ ही कहानी का दायरा भी बढ़ेगा, जहां नए रिश्ते, नई राइवलरी और नए किरदार कहानी में एक नई एनर्जी लाएंगे। रंगिता और इशिता नंदी ने एक ऐसी दुनिया बनाई है, जो एक मिनट में ग्लैमरस लगती है और अगले ही पल हंसा-हंसाकर लोटपोट कर देती है और इस सीजन में तनुज चोपड़ा और नित्या मेहरा के डायरेक्शन के साथ, हम इस दिल, ह्यूमर और ड्रामा के मिक्स को अगले लेवल पर जाते हुए देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

सैफ अली खान ने सुनाया करीना कपूर के साथ पहली बाइक राइड का मजेदार किस्सा, बोले- 'उन्हें बाइक नहीं, शायद मैं पसंद था'



विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान ने हाल ही में पत्नी और अभिनेत्री करीना कपूर खान के साथ अपनी पहली बाइक राइड का एक मजेदार किस्सा सुनाया। यह किस्सा साल 2008 में आई फिल्म 'टशन' की शूटिंग के दौरान का है, जब दोनों लद्दाख में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे।

उस वक्त सैफ और करीना के बीच ज्यादा बातचीत नहीं होती थी और दोनों सिर्फ को-स्टार के तौर पर एक-दूसरे से मिलते थे। लेकिन एक बाइक राइड के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसे सैफ आज भी याद करके हंसते हैं।

दरअसल, सैफ अली खान हाल ही में मेगास्टार अमिताभ बच्चन द्वारा होस्ट किए जाने वाले क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ पहुंचे थे। शो के दौरान उन्होंने करीना के साथ अपनी पहली बाइक राइड का किस्सा साझा किया।

सैफ ने कहा, ''फिल्म 'टशन' की शूटिंग के शुरुआती दिनों में मेरी और करीना की ज्यादा बातचीत नहीं होती थी। हम दोनों एक-दूसरे के साथ सिर्फ औपचारिक तरीके से पेश आते थे। इसी दौरान किसी ने मुझसे कहा कि मुझे करीना को बाइक राइड के लिए पूछना चाहिए, क्योंकि उन्हें मोटरसाइकिल बहुत पसंद हैं। उस समय मैंने लद्दाख में एक बाइक रेंट पर ली हुई थी। वहां की सड़कें बेहद खूबसूरत थीं और मैं अक्सर हेडफोन लगाकर बाइक से ही शूटिंग लोकेशन पर जाता था। एक दिन मैंने करीना से पूछा कि क्या वह मेरे साथ बाइक राइड पर चलना पसंद करेंगी। इस पर करीना ने खुशी-खुशी हां कह दिया।'' उन्होंने कहा, ''बाइक पर बैठने के बाद करीना का अंदाज कुछ अलग ही हो गया। जैसे ही मैंने बाइक चलानी शुरू की, करीना हर थोड़ी देर में मेरे कंधे या पीठ पर नाखून गड़ाकर मुझे रुकने के लिए कहने लगीं। वह बार-बार 'रुको, रुको' चिल्ला रही थीं। मैं जब भी बाइक आगे बढ़ाता, करीना मुझे धीरे चलाने और रुकने के लिए कहने लगती थीं।''

ने कहा, ''कुछ देर बाद परेशान होकर करीना ने कहा कि मुझे बाइक राइड बिल्कुल पसंद नहीं है। यह सुनकर मैं हैरान रह गया। मैंने सोचा कि अगर उन्हें बाइक राइड पसंद नहीं है तो फिर हम बाइक पर कर क्या रहे हैं? मुझे लगता है कि उस समय हम दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे, लेकिन करीना को बाइक पसंद नहीं आई थी।''

सैफ अली खान और करीना कपूर की प्रेम कहानी फिल्म 'टशन' के सेट पर ही शुरू हुई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद सैफ और करीना ने 'ओमकारा', 'कुर्बान' और 'एजेंट विनोद' जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया। दोनों ने अक्टूबर 2012 में शादी कर ली।

दीया मिर्जा के दीपावली वीडियो पर सियासी घमासान, शिवसेना ने किया विरोध तो एनसीपी आई सपोर्ट में

विश्व केसरी ■

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा अभिनेत्री दीया मिर्जा का पर्यावरण-अनुकूल और पटाखा-मुक्त दीपावली को बढ़ावा देने वाला जागरूकता वीडियो हटाए जाने के बाद विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस मुद्दे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गई हैं। एक ओर शिवसेना के नेता आनंद दुबे ने वीडियो का विरोध किया है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो अभिनेत्री



दीया मिर्जा के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं।

शिवसेना प्रवक्ता आनंद दुबे ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि कलाकार लोगों को ज्ञान देने के बजाय टेलीविजन पर अपनी कला का प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, 'देखिए, सनातन इतना महान है कि उसे दीया मिर्जा या किसी से जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। दीपावली का पावन पर्व सभी हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा त्योहार होता है। हमें दीपावली का पर्व कैसे और किस तरह से मनाना है, ये किसी और से जानने की जरूरत नहीं है। हमें अच्छी तरह से अपनी संस्कृति के बारे में पता है और यह भी पता है कि पर्यावरण की किस तरह से रक्षा करनी है।

उन्होंने कहा कि कलाकार टेलीविजन पर अपनी कला का प्रदर्शन करें, हम अपना काम कर लेंगे। हम अपनी परंपरा, आदर्शों और मूल्यों को हमेशा आगे रखकर चलते हैं। तो हमें किसी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है कि किस तरह से त्योहार मनाना चाहिए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र परिवार) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो का कहना है कि दीया मिर्जा ने हाई कोर्ट के आदेशों का पालन किया है। उन्होंने कहा, 'दीया मिर्जा ने खुद अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर वीडियो जारी नहीं किया है, बल्कि बीएमसी के किसी इंचार्ज ने उन्हें वीडियो बनाने के लिए अप्रोच किया था और दीया मिर्जा ने वीडियो बना दी, तब कहीं जाकर बीएमसी के हैंडल पर वीडियो डाली गई।

रूस के साथ मौजूद भारतीय नागरिकों की वापसी का मुद्दा भारत लगातार उठा रहा: एमईए

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि भारत रूस के साथ विभिन्न स्तरों पर उन भारतीय नागरिकों की रिहाई का मुद्दा उठाना जारी रखेगा, जो अभी भी रूस के पास है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जी20 बैठक के दौरान रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की और यूरोप तथा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्षों पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'विदेश मंत्री ने जी20 बैठक के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। इनमें से एक बैठक रूस के विदेश मंत्री के साथ थी, जिसमें यूरोप और मध्य पूर्व के मौजूदा संघर्षों पर चर्चा हुई।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने शनिवार को अटलांटा में आयोजित जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान लावरोव से मुलाकात की थी। बैठक के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा था कि उन्होंने रूस के विदेश मंत्री के साथ यूक्रेन संघर्ष, खाड़ी क्षेत्र की स्थिति और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई दिल्ली और उससे पहले बिश्केक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ इस मुद्दे पर बातचीत की थी। उन्होंने बताया कि वह स्वयं भी मॉस्को गए थे और वहां लावरोव से चर्चा की थी। इसके अलावा वह इस दौरान कीव भी गए थे।

रूस के साथ मौजूद भारतीय नागरिकों की वापसी के बारे में रणधीर जायसवाल ने कहा, 'जैसा कि मैं पहले भी बता चुका हूं, यह ऐसा मुद्दा है जिसे हम लगातार विभिन्न स्तरों पर रूसी पक्ष के साथ उठा रहे हैं।'

पिछले महीने विदेश मंत्रालय ने बताया था कि करीब 259 भारतीय नागरिकों की भर्ती रूसी सेना में हुई थी। इनमें से 139 लोगों को भारत सरकार के प्रयासों से सेवा से मुक्त कराकर वापस भारत लाया जा चुका है, जबकि 69 अन्य भारतीयों की वापसी को लेकर मॉस्को के साथ बातचीत जारी है।

मंत्रालय ने कहा कि वह यह नहीं बता सकता कि इनमें से कितने लोगों ने रूसी नागरिकता ले ली है, क्योंकि उसके रिकॉर्ड केवल भारतीय नागरिकों से संबंधित हैं।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत ने फिर की शांति की अपील

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नई दिल्ली में मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में एमईए प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने उज्बेकिस्तान में भारतीय छात्रों की शिक्षा और पश्चिम एशिया के हालात समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर बात की। जायसवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर हम लगातार नजर बनाए हुए हैं और क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर करीब से ध्यान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम अब भी सभी पक्षों से बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर चलने की अपील करते हैं, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता वापस आ सके। जैसा कि आप जानते हैं, इस संघर्ष की वजह से बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है और लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है, सिर्फ उस क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में। इसका असर वैश्विक स्तर पर खाद्य पदार्थों, ईंधन, उर्वरक और वित्तीय गतिविधियों पर भी पड़ा है। हम सभी पक्षों से लड़ाई-झगड़ा बंद करने और शत्रुता समाप्त करने की अपील करते हैं ताकि हालात सामान्य हो सकें।

वहीं, नेपाल हेलीकॉप्टर हादसे को लेकर पूछे गए प्रश्न पर प्रवक्ता जायसवाल ने बताया कि नेपाल हेलीकॉप्टर हादसे की सूचना मिली है। दो हेलीकॉप्टर के टकराने की तस्वीरें हमने भी देखी हैं। हादसे में एक भारतीय की मौत की सूचना है। जल्द से जल्द वहां से पार्थिव शरीर लाने की कोशिश जारी है।

जायसवाल ने बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात की। पिछले कई महीनों के दौरान भी उनकी रूसी विदेश मंत्री के साथ कई बैठकें हो चुकी हैं। दोनों विदेश मंत्रियों ने कई मौकों पर मुलाकात की है और इस बार भी अटलांटा में उनकी बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष से जुड़े यूक्रेन के हालात, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय महत्व के कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा, 'जहां तक शांति स्थापित करने में भारत की भूमिका या विचारों का सवाल है, मैं पहले भी हमारे विचारों के बारे में बता चुका हूं। हमने अपने सुझाव यूक्रेन और रूस, दोनों पक्षों के साथ साझा किए हैं। आपने राष्ट्रपति पुतिन की टिप्पणियां भी देखी हैं और यूक्रेन के विदेश मंत्री की प्रतिक्रियाएं भी सुनी हैं।

संक्षिप्त खबर

हरियाणा सरकार ने लैंड पूलिंग पॉलिसी 2026 को दी मंजूरी

विश्व केसरी■



चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई हरियाणा मंत्रिपरिषद की बैठक में 'लैंड पूलिंग पॉलिसी-2026' को मंजूरी दी गई। यह पॉलिसी 2022 की नीति की जगह लेगी और इसका उद्देश्य विकास परियोजनाओं में जमीन मालिकों की भागीदारी को आसान बनाना है।

नई नीति के अनुसार, जमीन मालिकों को स्वीकृत लेआउट प्लान के तहत प्रोजेक्ट के कुल बिक्री योग्य क्षेत्र का 50 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा, जबकि बाकी हिस्सा डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन के पास रहेगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जमीन मालिकों के हिस्से को बाजार मूल्य से जोड़ने वाले पुराने प्रावधानों को हटा दिया गया है। जमीन मालिकों के 50 प्रतिशत हिस्से में तय पात्रता के अनुसार कमर्शियल (व्यावसायिक) साइटें दी जाएंगी। बाकी क्षेत्र को प्रोजेक्ट के उद्देश्य के आधार पर आवासीय, औद्योगिक या संस्थागत प्लॉट के रूप में आवंटित किया जाएगा। यह नीति सेल डीड (बिक्री विलेख) के पंजीकरण की तारीख से चार साल तक, जमीन मालिकों को उनके द्वारा दी गई जमीन के अनुपात में 1 लाख रुपए प्रति एकड़ की वार्षिक अंतरिम वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

कोलकाता हवाई अड्डे पर दबोचा गया साइबर धोखाधड़ी का वांछित आरोपी, दुबई भागने की कोशिश नाकाम

विश्व केसरी■



कोलकाता। साइबर धोखाधड़ी के एक वांछित आरोपी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ कर्नाटक में कई मामले दर्ज हैं। आरोपी शेख साबिर कई धोखाधड़ी मामलों के सिलसिले में कर्नाटक पुलिस और आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की निगरानी में था। काफी समय तक गिरफ्तारी से बचने के बाद उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया था।

अधिकारियों के अनुसार, आव्रजन अधिकारियों ने मंगलवार तड़के शेख साबिर को हवाई अड्डे पर उस समय रोका जब वह दुबई जाने वाली फ्लाइट में सवार होने की तैयारी कर रहा था। उसे हवाई अड्डे पर ही पुलिस के हवाले कर दिया गया और बिधाननगर पुलिस ने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। यह सूचना कर्नाटक पुलिस के साथ साझा कर दी गई है। अधिकारी अब उसकी ट्रांजिट रिमांड प्राप्त करने और आगे की जांच के लिए कर्नाटक ले जाने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं।ा बिधाननगर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह आरोपी शेख साबिर ने कोलकाता से दुबई भागने की योजना बनाई थी। इसी के चलते, विमान में चढ़ने की कोशिश करते समय आव्रजन विभाग के अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी होने के कारण उसे हिरासत में लिया गया। जल्द ही उसे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। यह जानकारी कर्नाटक पुलिस को दे दी गई है।

उत्तर कोरिया ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए नया वारहेड परीक्षण किया

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए क्लस्टर बम का हाल ही में परीक्षण करने के बाद, अब एक रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए 'डिस्पर्सल वॉरहेड' का परीक्षण किया है।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के मुताबिक, सोमवार को मिसाइल प्रशासन ने इस वारहेड की ताकत और मिसाइल की 'वर्टिकल स्ट्राइक' यानी ऊपर से सीधे निशाना साधने की क्षमता का परीक्षण किया।

प्रशासन के वारहेड संस्थान ने बताया कि क्रूज मिसाइल में लगाए गए मध्यम आकार के इस डिस्पर्सल वारहेड में इतनी क्षमता है कि यह 5 से 6 हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी सबसे अधिक मारक शक्ति के साथ पूरी तरह तबाह कर सकता है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, क्रूज मिसाइल सिस्टम संस्थान ने कहा कि उसने मिसाइल की अंतिम चरण की उड़ान क्षमता (टर्मिनल मैन्युवरेबिलिटी) में सुधार करके उसकी वर्टिकल स्ट्राइक क्षमता को बेहतर बनाया है। यह सुधार लक्ष्य क्षेत्र की भौगोलिक और प्राकृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया गया। मिसाइल प्रशासन के निदेशक ने कहा कि अलग-अलग तरह की नई हथियार प्रणालियां विकसित करना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा, 'हमारी सेना को देश की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है और हर तरह के खतरे को रोकने की क्षमता रखनी चाहिए।' निदेशक के अनुसार, इन परीक्षणों ने देश की 'वास्तविक युद्ध क्षमता' को साबित किया है। उत्तर कोरिया पहले ही घोषणा कर चुका है कि वह इस साल के अंत तक कई तरह के क्लस्टर वारहेड तैनात करेगा। शनिवार को उसने सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों पर लगाए जा सकने वाले एक क्लस्टर बम का भी परीक्षण किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि मिसाइल की वर्टिकल स्ट्राइक क्षमता से उत्तर कोरिया अपने पड़ोसी दक्षिण कोरिया की भूमिगत सैन्य सुविधाओं और सुरंगों के प्रवेश द्वारों को अधिक सटीकता से निशाना बनाना चाहता है। ऐसे ठिकानों पर सामान्य क्षैतिज या तिरछे हमलों से निशाना लगाना मुश्किल माना जाता है।

सोल स्थित 'कोरिया डिफेंस एंड सिक्योरिटी फोरम' के महासचिव शिन जोंग-वू ने कहा कि यह तकनीक मिसाइल को लक्ष्य पर गिरने से पहले अधिकतम गति तक पहुंचाकर उसकी विनाशकारी शक्ति बढ़ाने का तरीका है।

नवंबर आते ही ताजा हो जाते हैं 1984 के जख्म, कांग्रेस नेता स्वर्ण मंदिर जाकर मांगें माफी: भाजपा

विश्व केसरी■





हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी के नेता मनमीत सिंह ने 1984 के सिख दंगों को याद करते हुए कांग्रेस नेताओं जगदीश टाइटलर और कमलनाथ से स्वर्ण मंदिर जाकर माफी मांगने की अपील की। उन्होंने कहा कि नवंबर आते ही उन दर्दनाक यादों के जख्म फिर ताजा हो जाते हैं। उन्होंने खेलो इंडिया के नाम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए रेवंत रेड्डी सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि भाजपा तेलंगाना में 2028 का चुनाव अकेले लड़ेगी और अपना मुख्यमंत्री बनाएगी।

भाजपा नेता मनमीत सिंह ने कहा, '1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जो दंगे हुए थे, उनमें सिखों के परिवार के परिवार खत्म कर दिए गए थे। लोगों के गले में टायर डालकर उन्हें जला दिया गया था। सज्जन कुमार, जगदीश टाइटलर और अन्य लोग, जिन्होंने उस समय इंदिरा गांधी का साथ दिया था, उन्हें बड़े-बड़े पदों पर बैठाया गया था।' उन्होंने कहा कि आज सज्जन कुमार तो नहीं रहे, लेकिन जगदीश टाइटलर और कमलनाथ से कहना चाहते हैं कि आप लोगों ने जो किया है, उसके लिए स्वर्ण मंदिर में जाकर माफी मांगिए। अपना माथा टेकिए, ताकि सिख समुदाय के दिल को थोड़ी शांति मिले। आज भले ही कई साल बीत गए हों, लेकिन नवंबर आते ही 1984 की यादें ताजा हो जाती हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि जिन सिख परिवारों ने अपने परिजनों को खोया था, उनकी आंखों से आज भी आंसू नहीं रुकते। अगर आप प्रेस में आकर यह बयान दें कि राजनीति के चक्कर में आपसे गलती हुई थी और सिखों के साथ अन्याय हुआ था तो शायद लोग आपको माफ कर दें और उस दर्द को भूलने की कोशिश करें।

कर्नाटक में एमएलसी चुनाव में चारों सीटों पर हार के बाद कांग्रेस में जुबानी जंग छिड़ी

विश्व केसरी■



बेंगलुरु। हाल ही में हुए विधान परिषद चुनावों में कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस को चारों सीटों पर हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद मंगलवार को पार्टी के भीतर पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई।

एमएलसी चुनावों में एनडीए ने चारों सीटें जीत लीं, जबकि भाजपा को तीन और जेडी(एस) को एक सीट मिली।

पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक केएन राजन्ना ने कहा कि स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े विवाद ने पार्टी की छवि को बुरी तरह प्रभावित किया है और एमएलसी चुनावों में उसके खराब प्रदर्शन का कारण हो सकता है। हालांकि, नगर प्रशासन मंत्री एचसी बालकृष्ण ने राजन्ना और उनके बेटे पर पार्टी के उम्मीदवारों के लिए काम न करने और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की।

मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए राजन्ना ने कहा कि स्टिंग ऑपरेशन विवाद ने चुनाव परिणामों को प्रभावित किया है, खासकर इसलिए क्योंकि स्नातकों और शिक्षकों के निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता शिक्षित हैं और अपना निर्णय लेने से पहले राजनीतिक घटनाक्रम का विश्लेषण करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पूर्वी निर्वाचन क्षेत्र में जहां एमएलसी पद के लिए चुनाव हुए थे, वहां हमारे पास 26 विधायक हैं और इसके बावजूद हमें हार का सामना करना पड़ा है। इससे क्या संकेत मिलता है? भ्रम की स्थिति है। सिद्धारमैया के चुनाव न लड़ने या प्रचार न करने के बयानों ने भी पार्टी को नकारात्मक संदेश दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन सब बातों ने पार्टी को प्रभावित किया है।

पाकिस्तान के पंजाब में अक्टूबर में 44 हजार से ज्यादा सड़क हादसे, 464 लोगों की मौत

विश्व केसरी■



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अक्टूबर महीने के दौरान सड़क हादसों में 464 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23,543 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, महीने भर में कुल 44,797 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से लगभग तीन-चौथाई हादसे मोटरसाइकिलों से जुड़े थे।

ये आंकड़े पंजाब के विभिन्न जिलों में 'रेस्क्यू 1122' की आपातकालीन सेवाओं की मासिक समीक्षा बैठक के दौरान साझा किए गए। विभाग के अनुसार, अक्टूबर में रेस्क्यू टीमों ने 2,31,056 आपात स्थितियों में प्रतिक्रिया दी और 2,33,210 लोगों की जान बचाई।

इन घटनाओं में सड़क दुर्घटनाएं, आग लगने की घटनाएं, चिकित्सा आपात स्थितियां, डूबने के मामले और अन्य बचाव अभियान शामिल थे। विभाग ने बताया कि अक्टूबर के दौरान पंजाब में 1,726 आग लगने की घटनाएं और 94 डूबने की घटनाएं दर्ज की गईं।

सड़क हादसों के मामले में लाहौर सबसे ऊपर रहा, जहां मोटरसाइकिलों से जुड़े 7,874 हादसे दर्ज हुए। मुल्तान में 3,312 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,838 हादसे हुए, जबकि फैसलाबाद में 2,896 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,615 हादसे दर्ज किए गए। गुजरांवाला में 2,250 मोटरसाइकिलों से जुड़े 2,092 हादसे हुए, और इसके बाद शेखूपुरा में 1,706 मोटरसाइकिलों से जुड़े 1,714 सड़क हादसे सामने आए। तौंसा शरीफ में 160 मोटरसाइकिलों से जुड़े 142 हादसे दर्ज किए गए।

रेस्क्यू 1122 ने अक्टूबर के दौरान 6,924 आग और बचाव संबंधी आपात मामलों, 5,275 मधुमेह (डायबिटीज) के मामलों, 4,915 मानसिक और सामाजिक सहायता से जुड़े मामलों, 4,227 पीठ और जोड़ों के दर्द के मामलों, 4,195 अपराध से जुड़े आपात मामलों और 379 एलर्जी के मामलों में भी सहायता प्रदान की।

दीया मिर्जा के वीडियो डिलीट विवाद पर सीएम फडणवीस का बयान कहा- सोशल मीडिया कंटेंट पर फैसला बीएमसी का अधिकार

विश्व केसरी■



मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा की दीपावली अपील वाले वीडियो को लेकर एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा होने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को अपनी चुप्पी तोड़ी और इस पर बात की।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा पर्यावरण के अनुकूल और पटाखों से मुक्त दीपावली मनाने के लिए चलाए गए जनजागरूकता अभियान में माधुरी दीक्षित, क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे और अभिनेत्री दीया मिर्जा जैसी हस्तियां शामिल थीं।

बीएमसी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इन मशहूर हस्तियों की अपील वाला एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसे विधायक अमित साटम की आलोचना के बाद हटा दिया गया।

महापौर ऋतु तावड़े ने भी इस मामले से खुद को अलग कर लिया और इसके लिए सोशल मीडिया एजेंसी और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। इस राजनीतिक बहस के बीच, बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस विरोध पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर मशहूर हस्तियां पर्यावरण के अनुकूल त्योहार मनाने की वकालत कर रही हैं, तो इसमें गलत क्या है?

इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार को पुणे में हिंजवडी-शिवाजीनगर मेट्रो रूट का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने मीडिया से बात की। जब उनसे दीया मिर्जा का वीडियो हटाए जाने और बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हाई कोर्ट ने किसी को फटकार लगाई है।

उन्होंने सुझाव दिया कि शायद हाई कोर्ट ने केवल अपनी राय व्यक्त की होगी, क्योंकि यह मामला आधिकारिक तौर पर किसी औपचारिक मुकदमे के रूप में हाई कोर्ट के सामने नहीं गया था। जब उनसे सोशल मीडिया से वीडियो हटाए जाने पर हाई कोर्ट द्वारा सवाल उठाए जाने के बारे में पूछा गया, तो मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि वीडियो हटाना बीएमसी का अपना फैसला था। जिसका सोशल मीडिया हैंडल होता है, उसी के पास यह तय करने का पूरा अधिकार होता है कि कौन सा कंटेंट पब्लिश करना है या हटाना है।

निर्दलीय एमएलसी के भाजपा को समर्थन से एनडीए में बढ़ी हलचल, चिराग पासवान ने भी नैतिकता पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■



पटना। बिहार विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक सीटों के चुनाव परिणाम के बाद एनडीए में निर्दलीय विधान पार्षदों के भाजपा को समर्थन देने के मुद्दे पर खींचतान शुरू हो गई है। दो निर्दलीय उम्मीदवारों के भाजपा में शामिल होने की घोषणा और फिर सदस्यता जाने के खतरे के मद्देनजर इसे समर्थन बताने के घटनाक्रम ने जदयू की नाराजगी बढ़ा दी है।

इस बीच बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने स्पष्ट किया है कि दोनों निर्दलीय विधान पार्षदों ने भाजपा को समर्थन दिया है। मामले को लेकर जदयू उम्मीदवार के सोमवार को प्रस्तावित संवाददाता सम्मेलन को भी स्थगित करना पड़ा। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू के प्रत्याशी और पार्टी प्रवक्ता अभिषेक झा ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा का फोन आने के बाद उन्होंने संवाददाता सम्मेलन स्थगित करने का फैसला लिया है। अभिषेक झा मीडिया को संबोधित करने वाले थे। अब पांच नवंबर को जदयू की समीक्षा बैठक में अपनी बात रखने के बाद मीडिया से बातचीत करेंगे। विवाद की मुख्य वजह निर्दलीय विधान पार्षद बंशीधर ब्रजवासी और राहुल राज का भाजपा को समर्थन देना है। चुनाव जीतने के बाद दोनों ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की थी। हालांकि, विधान परिषद की सदस्यता पर संभावित खतरे को देखते हुए बाद में इसे भाजपा को समर्थन देने का मामला बताया गया। विपक्षी दल इसे संविधान और दल-बदल कानून का उल्लंघन बता रहे हैं।

इस मुद्दे पर एनडीए के घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी नैतिकता का सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि इसमें गठबंधन धर्म का विषय कहां से आता है।

'मैं चाहता था कि हमारी मजबूत टीम सभी 5 वनडे खेले': शुभमन गिल

विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि वह चाहते थे कि न्यूजीलैंड दौरे पर वनडे और टेस्ट मैचों के बीच टी20 मैच हों, ताकि भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज के आखिरी दो वनडे मैचों के लिए पूरी ताकत वाली टीम उतार सके और खिलाड़ियों को दो मैचों की अहम टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए काफी समय मिल सके।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस तेज होने और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां जोरों पर होने के साथ, टेस्ट और वनडे टीमों के लिए दो पसंदीदा फॉर्मेट हैं। भारत भी इससे अलग नहीं है।

भारत जून 2027 में डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में है और अभी चौथे स्थान पर है, जबकि वह 2027 वर्ल्ड कप की भी तैयारी कर रहा है। हालांकि, न्यूजीलैंड दौरे पर वनडे और टेस्ट एक के बाद एक हो रहे हैं, इसलिए खिलाड़ियों के पास दोनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग तैयारी करने के लिए कम समय है।



भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी दो वनडे मैचों के लिए अपने कुछ पहली पसंद के टेस्ट खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया है। बुधवार से वनडे सीरीज शुरू होने से पहले, भारत के कप्तान गिल ने कहा कि वह चाहते थे कि वनडे और टेस्ट के बीच टी20 मैच खेले जाएं ताकि भारत पूरी ताकत वाली टीम उतार सके।

ऑकलैंड में होने वाले पहले वनडे से पहले गिल ने पत्रकारों से कहा, 'वनडे और टेस्ट सीरीज दोनों बहुत जरूरी हैं। अगर यह मेरे हाथ में होता और सभी खिलाड़ी फिट होते, तो मैं चाहता कि वे सभी खिलाड़ी पूरी वनडे सीरीज खेलें, लेकिन दो टेस्ट मैच भी बहुत जरूरी हैं। अगर यह पहले वनडे, फिर टी20 और फिर टेस्ट होता, तो हम अपनी सबसे मजबूत टीम के साथ सभी पांच वनडे मैच खेल सकते थे, लेकिन हम ऐसा नहीं कर सके क्योंकि वनडे सीरीज और टेस्ट मैचों के बीच का गैप बहुत कम था।

भारत सीरीज के आखिरी दो वनडे मैचों में गिल और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों समेत कई अन्य खिलाड़ियों को मिस करेगा। वनडे 15 नवंबर को खत्म होंगे और टेस्ट 19 नवंबर से शुरू होंगे।

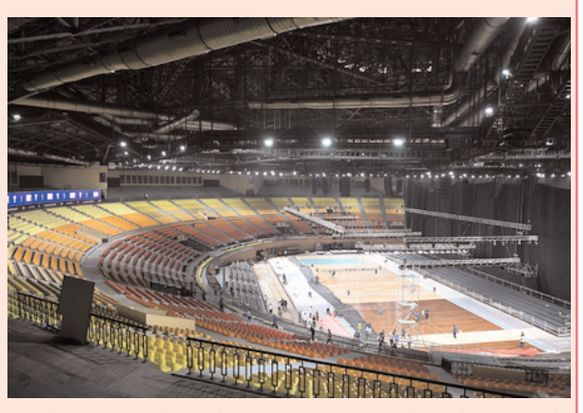
गिल ने कहा कि दोनों सीरीज बहुत जरूरी हैं, लेकिन बदकिस्मती से, हम टी20 और टेस्ट के बीच में वनडे खेल रहे हैं और टेस्ट टीम के खिलाड़ियों को आखिरी दो वनडे मैच छोड़ने पड़ रहे हैं।

गिल की नजर डब्ल्यूटीसी फाइनल पर भी है। फाइनल में भारत के लिए खिताबी मुकाबले की उम्मीदें थोड़ी बढ़ गई हैं, क्योंकि हाल ही में खत्म हुई सीरीज में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था।

उन्होंने आगे कहा, 'ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच जो सीरीज हुई, वह वाकई दिलचस्प थी और इसने टेबल को बहुत अच्छे से बैलेंस किया है। उम्मीद है, अगर हम यहां टेस्ट सीरीज में अच्छा खेलते हैं और फिर ऑस्ट्रेलिया से घर पर खेलते हैं, तो इससे हमें फाइनल में खेलने का मौका मिलेगा। डब्ल्यूटीसी का माहौल बहुत दिलचस्प हो गया है।

फंडिंग में कटौती का कारण बीएआई द्वारा समय पर प्रस्ताव न देना है: साई

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन जैसे स्टार खिलाड़ियों से जुड़ी बैडमिंटन फंडिंग में कटौती की चिंताओं के बीच, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने उन खबरों को खारिज कर दिया कि जापान में एशियन गेम्स में बिना मेडल के प्रदर्शन के कारण फंडिंग में कटौती हुई। इसका कारण बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) का अपना प्रस्ताव जमा करने की 30-दिन की डेडलाइन को पूरा न कर पाना बताया गया है।

साई के सूत्रों ने मंगलवार को आईएएनएस को बताया, 'बीएआई ने पहले से तय समय में अपना प्रस्ताव जमा नहीं किया। फेडरेशन को भी जिम्मेदारी से काम करना शुरू करना होगा।'

सिंधु और लक्ष्य रविवार को जर्मनी के सारलैंडहाले में खत्म हुए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 इवेंट हाइलो ओपन 2026 में महिला एकल और पुरुष एकल के चैंपियन बने। चार साल में यह पहली बार है जब दो भारतीयों ने एक ही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर इवेंट में सुपर 500 स्तर या उससे ऊपर के दो खिताब जीते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, साई ने भारतीय टीम के यूरोपियन लेग को फंड देने से मना कर दिया, जिसमें फिनलैंड, डेनमार्क, फ्रांस और जर्मनी में लगातार चार टूर्नामेंट शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि खिलाड़ियों को इस फैसले के बारे में 6 अक्टूबर को फिनलैंड के वांता में आर्कटिक ओपन शुरू होने से कुछ दिन पहले ही बताया गया था।

साई का कहना है कि देरी इसलिए हुई क्योंकि बीएआई डेडलाइन पूरी नहीं कर पाया, जिससे समय पर प्रस्ताव देने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी फेडरेशन पर आ गई।

साई के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, 'पहले, नियमों के मुताबिक फेडरेशन को बिना नामों के 90 दिन पहले और नामों के साथ 60 दिन पहले प्रस्ताव जमा करने होते थे। ऐसा इसलिए था क्योंकि आप अपनी ट्रिप की प्लानिंग काफी पहले कर सकते थे। लेकिन फेडरेशन ने कहा कि वह इतनी जल्दी ऐसा नहीं कर सकता, इसलिए हमने डेडलाइन को बदलकर 30 दिन कर दिया। फिर भी, हमें प्रस्ताव नहीं मिला। ने कहा, 'ये नई गाइडलाइंस सभी पर लागू होती हैं। अगर हमारे पास टूर्नामेंट से 30 दिन पहले नामों के साथ प्रस्ताव नहीं है, तो हम उसे प्रोसेस नहीं करेंगे। पैसे की तंगी का मतलब यह भी था कि कुछ खिलाड़ियों को अपने कोच के बिना खेलना पड़ा। अश्मिता चालिहा ने जब फ्रेंच ओपन में अकाने यामागुची को हराया था, तो उनके साथ भारत की साथी खिलाड़ी इशारानी बरुआ थीं, वहीं डेनमार्क में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली तन्वी शर्मा के पास मैच के दौरान उन्हें गाइड करने के लिए कोई कोच नहीं था।

सऊदी अरब पर हालिया हमलों के बाद 'एएफसी एशियन कप' दिसंबर 2027 तक स्थगित

विश्व केसरी ■

कुआलालंपुर। सऊदी अरब फुटबॉल फेडरेशन (एसएफएफ) और एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (एएफसी) ने मंगलवार को बताया कि एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 को स्थगित कर दिया गया है। इस क्षेत्र में हुए हालिया हमलों के कारण 'लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बड़ी मुश्किलें और यात्रा में रुकावटें' पैदा हो गई थीं।

पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन 7 जनवरी से 5 फरवरी 2027 के बीच होने वाला था, लेकिन अब यह 23 दिसंबर 2027 से 21 जनवरी 2028 के बीच आयोजित होगा। यह फैसला एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 की लोकल ऑर्गेनाइजिंग कमिटी और सऊदी अरब फुटबॉल फेडरेशन के साथ लंबी बातचीत और विचार-विमर्श के बाद लिया गया है।

यह फैसला एएफसी और लोकल ऑर्गेनाइजिंग कमिटी द्वारा टूर्नामेंट के वेन्यू (स्थानों) और शेड्यूल की घोषणा करने के एक हफ्ते बाद आया है।

एएफसी ने एक बयान में कहा, 'एएफसी एशियन कप की ऑर्गेनाइजिंग कमिटी ने इस टूर्नामेंट को नए सिरे से शेड्यूल करने की मंजूरी दी है। ऐसा क्षेत्र में पैदा हुए मौजूदा असाधारण हालात, लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बड़ी मुश्किलों और यात्रा में रुकावटों को देखते हुए किया गया है। टूर्नामेंट की नई तारीखें मंजूरी के लिए फीफा के पास भेजी जाएंगी।'

10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए एक हमले में 12 लोगों की मौत हो गई और 309 लोग घायल हो गए। यमन के ईरान-समर्थित हूती आंदोलन ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय में सऊदी अरब में हुआ यह सबसे घातक हमला माना जा रहा है।

बयान में कहा गया, 'टूर्नामेंट को मूल शेड्यूल के अनुसार आयोजित करने के लिए हालात बहुत मुश्किल हो गए थे। इसलिए, सभी हिस्सा लेने वाली टीमों, अधिकारियों, दर्शकों और अन्य हितधारकों के हित में इसे स्थगित करना जरूरी हो गया था।

स्क्वैश: सेंथिलकुमार ने ग्रेग लोबन को हराकर चेक ओपन का खिताब जीता

विश्व केसरी ■

ब्रनो। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वेलावन सेंथिलकुमार ने स्कॉटलैंड के टॉप सीड ग्रेग लोबन को हराकर यूएसडी 35,000 के चेक ओपन का खिताब जीत लिया है। यह एक पीएसए कॉपर-लेवल टूर्नामेंट है।

चौथे सीड वाले भारतीय, जो अभी दुनिया में 42वें नंबर पर हैं, ने दुनिया के 31वें नंबर के लोबन को 13-11, 11-5, 8-11, 11-7 से हराकर अपना 12वां पीएसए टूर टाइटल और कॉपर लेवल पर दूसरा टाइटल जीता। सेंथिलकुमार ने अगस्त में बुडापेस्ट ओपन में इस कैटेगरी में अपना पहला टाइटल जीता था।

सेंथिलकुमार को ट्रॉफी तक पहुंचने के लिए एक मुश्किल ड्रॉ से निपटना पड़ा, जिसकी शुरुआत ब्राजील के डिएगो गोब्बी पर दूसरे राउंड में जीत से हुई और फिर क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के आठवें सीड जेरेमियास अजाना को 11-3, 11-8, 11-7 से हराया।

उन्होंने इस मोमेंटम को आखिरी चार में भी जारी रखा और फ्रांस के ऑगस्टे डूसॉर्ड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल 11-7, 12-10, 11-1 से जीतकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की कर ली। इस बीच, लोब्बन ने फ्रांस के तौफिक मेखाल्फी पर सीधे गेम में जीत के साथ अपनी आखिरी जगह पक्की कर ली, जिससे टूर्नामेंट के टॉप सीड और चौथे सीड के बीच मुकाबला तय हो गया।

फाइनल सेंथिलकुमार के लिए एक कड़ी परीक्षा साबित हुआ, खासकर शुरुआती गेम में, जो आखिर तक चला। भारतीय खिलाड़ी ने हिम्मत बनाए रखते हुए इसे 13-11 से अपने नाम किया और फिर दूसरे गेम में ज्यादा नियंत्रण हासिल करते हुए इसे 11-5 से जीत लिया। लोबन ने वापसी करते हुए तीसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया, लेकिन सेंथिलकुमार ने संभलकर मुकाबला 11-7 से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम किया।

चेक ओपन की खिताबी जीत से पहले सेंथिलकुमार ने जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे।

चेक ओपन की कामयाबी पीएसए टूर पर सेंथिलकुमार की निरंतरता को दिखाती है। वह लॉस एंजिल्स 2028 गेम्स में इस खेल के ओलंपिक डेब्यू की ओर बढ़ रहे हैं।

यशस्वी जायसवाल और यश राठौड़ का शतक, इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट ड्रॉ

विश्व केसरी ■



क्राइस्टचर्च। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल फॉर्म में लौट आए हैं। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में दमदार शतक लगाते हुए जायसवाल ने न सिर्फ फॉर्म में वापसी की, बल्कि मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।

पिछली तीन पारियों में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले जायसवाल इस पारी में आक्रामक नजर आए। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने मात्र 162 गेंदों पर 5 छक्कों और 15 चौकों की मदद से नाबाद 155 रन की पारी खेली। उन्हें चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए यश राठौड़ का अच्छा साथ मिला। राठौड़ ने भी शतक लगाते हुए 122 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। जायसवाल और राठौड़ के बीच नाबाद 247 रन की साझेदारी हुई।

भारत ए ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट पर 282 रन बनाए थे। टेस्ट के आखिरी दिन (मंगलवार) चाय के समय मैच को ड्रॉ घोषित किया गया।

इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में कप्तान ध्रुव जुरेल के 105, देवदत्त पडिक्कल के 80 और आकाशदीप के 68 रन की बदौलत 346 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 424 रन बनाकर इंडिया ए पर 78 रन की अहम बढ़त ली थी।

दूसरी पारी में इंडिया ए ने जायसवाल और राठौड़ की शतकीय पारियों की बदौलत 52.4 ओवर में 2 विकेट पर 282 रन बनाए और मैच ड्रॉ घोषित किया गया।

दोनों टीमों के बीच खेला गया पहला अनाधिकारिक टेस्ट भी ड्रॉ रहा था। तीसरा अनाधिकारिक टेस्ट 7 नवंबर से खेला जाएगा।

यशस्वी जायसवाल की फॉर्म में वापसी भारतीय टीम के लिए दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

हार्दिक पंड्या को टीम में वापसी से पहले घरेलू क्रिकेट खेलना होगा: शुभमन गिल

विश्व केसरी ■



ऑकलैंड। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंजरी की वजह से लंबे समय से क्रिकेट के मैदान से दूर हैं। भारतीय टीम जल्द हार्दिक की वापसी चाहती है, लेकिन वापसी से पहले घरेलू क्रिकेट में उन्हें अपनी फिटनेस साबित करनी होगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 वनडे मैचों की सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है। हार्दिक इंजरी की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। टीम इंडिया निश्चित रूप से सीरीज में उनकी कमी महसूस करेगी।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'अगले विश्व कप के लिए टीम हार्दिक की वापसी का इंतजार कर रही है। वह एक बेहतरीन ऑल-राउंडर हैं। दुनिया में बहुत कम ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके पास हार्दिक जैसी क्षमता है। एक गेंदबाज के तौर पर, आप उन्हें गेम के अलग-अलग हिस्सों में इस्तेमाल कर सकते हैं। वह नई और पुरानी गेंद से गेंदबाजी कर सकते हैं।'

गिल ने कहा, 'हमारी कई बार बात हुई है। वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत हैं। आईपीएल के बाद से नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही वापस आएंगे। वह कुछ डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे। उम्मीद है कि हम उन्हें जल्द ही इंडियन टीम में वापस लाएंगे।'

भारतीय कप्तान गिल के बयान से स्पष्ट है कि टीम इंडिया में वापसी से पहले हार्दिक को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना होगा और अपनी फिटनेस साबित करनी होगी।

बता दें कि हार्दिक पंड्या इंजरी आखिरी बार 24 मई 2026 को आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए दिखे थे। इंजरी से रिकवरी के लिए फिलहाल वह बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में है। भारतीय टीम में वापसी के लिए हार्दिक कड़ी मेहनत कर रहे हैं। देखना होगा कि वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए सीओई द्वारा फिट घोषित किए जाते हैं या नहीं।

इंजरी की वजह हार्दिक ने इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड जैसी बड़ी सीरीज में खेलने का मौका गंवाया है।

रोहित और विराट के विकेट मैच के शुरुआती ओवरों में लेने की कोशिश करेंगे: मिशेल सैंटनर



विश्व केसरी ■

ऑकलैंड। भारत के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही पांच वनडे मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी चिंता भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के विकेट हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी कोशिश सीरीज में कोहली और रोहित को शांत रखने की होगी।

सैंटनर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि हम उन्हें हर मैच में शुरू में ही रोकने की कोशिश करेंगे। हमने इंडिया का टॉप ऑर्डर लंबे समय से देखा है। रोहित और कोहली का रोल टॉप पर काफी हार्ड खेलना और फिर बीच में एक अच्छा स्कोर बनाना और फिर आखिर में अपनी ताकत से रन बढ़ाना है। न्यूजीलैंड के कप्तान को उम्मीद है कि तेज गेंदबाजों को इन दोनों को रोकने के लिए पिच से मदद मिलेगी।

सैंटनर को उम्मीद है कि कोहली और रोहित के सीरीज में खेलने से स्टेडियम में भीड़ भर जाएगी। कीवी कप्तान ने अपने करियर के आखिरी दौर में होने के बावजूद रोहित और कोहली द्वारा किए जा रहे शानदार प्रदर्शन की तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे हैं। उम्र बढ़ने के बावजूद वे लगातार अच्छा खेल रहे हैं। हमने इसे वेस्टइंडीज के खिलाफ देखा। मैंने इसे लंबे समय से देखा है। मैंने रोहित को आईपीएल में भी देखा है। हम जाहिर तौर पर एक गेंदबाजी ग्रुप के तौर पर बैठे हैं और चर्चा की है कि उनका लाइन-अप कैसा दिखता है, न्यूजीलैंड में कैसे काम करना है। हम जानते हैं कि इन पिचों पर कैसे काम करना है। जब यह थोड़ा अच्छा चल रहा होता है, तो यह कैसा दिखता है, और जब यह सपाट होता है, तो वह भी कैसा दिखता है?

रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए संभवत: यह आखिरी न्यूजीलैंड दौरा है। इस वजह से इन दोनों को वहां खेलते देखने के लिए दुनियाभर के क्रिकेट फैंस तो उत्साहित हैं ही, कीवी क्रिकेट फैंस बेहद रोमांचित हैं।

ट्राई ने जारी किए नए दूरसंचार इंटरकनेक्शन नियम, 1 जनवरी से होंगे लागू



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मंगलवार को 'दूरसंचार इंटरकनेक्शन (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026' जारी किए, जो 1 जनवरी, 2027 से लागू होंगे।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि दूरसंचार में इंटरकनेक्शन का मतलब उन तकनीकी, परिचालन और वाणिज्यिक व्यवस्थाओं से है, जो दो या अधिक दूरसंचार नेटवर्क को आपस में जोड़ती हैं। इससे दूरसंचार ट्रैफिक का आदान-प्रदान संभव होता है और अलग-अलग सेवा प्रदाताओं के उपयोगकर्ता निर्बाध रूप से एक-दूसरे से संवाद कर पाते हैं।

इस संशोधन का उद्देश्य मौजूदा इंटरकनेक्शन नियामकीय ढांचे को आधुनिक नेटवर्क संरचनाओं के अनुरूप बनाना है। साथ ही, मौजूदा लॉन्ग डिस्टेंस चार्जिंग एरिया (एलडीसीए) और शॉर्ट डिस्टेंस चार्जिंग एरिया (एसडीसीए) स्तर के इंटरकनेक्शन से लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एलएसए) स्तर के इंटरकनेक्शन की ओर बदलाव को सुगम बनाना है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, ट्रैफिक को एलएसए स्तर के पॉइंट्स ऑफ इंटरकनेक्शन (पीओआई) पर स्थानांतरित करने से रूटिंग प्रक्रिया सरल होगी और सीमित नंबरिंग संसाधनों का अधिक कुशल प्रबंधन संभव होगा। इसके अलावा, इससे कम लेटेंसी और बेहतर सेवा विश्वसनीयता जैसे लाभ भी मिलेंगे।

मौजूदा एलडीसीए/एसडीसीए स्तर के पॉइंट्स ऑफ इंटरकनेक्शन (पीओआई) पर मिनट्स ऑफ यूसेज (एमओयू) के रूप में दर्ज ट्रैफिक को तीन वर्षों के भीतर चरणबद्ध तरीके से एलएसए स्तर के पीओआई पर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके बाद सभी ट्रैफिक का आदान-प्रदान एलएसए या सेवा क्षेत्र स्तर के पीओआई पर ही होगा।

संशोधन नियमों में सेवा प्रदाताओं द्वारा आईपी आधारित इंटरकनेक्शन स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इन नियमों के लागू होने के बाद स्थापित होने वाले सभी नए इंटरकनेक्शन आईपी आधारित होंगे।

ई1/टीडीएम आधारित इंटरकनेक्शन पर काम कर रहे सभी मौजूदा पीओआई को भी तीन वर्षों के भीतर चरणबद्ध तरीके से आईपी आधारित इंटरकनेक्शन में स्थानांतरित किया जाएगा। ड्यु आईपी आधारित इंटरकनेक्शन से बैंडविड्थ का अधिक कुशल उपयोग, कॉल की बेहतर गुणवत्ता और कॉल के शुरू से अंत तक बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होगा।

आईपी आधारित इंटरकनेक्शन के मामले में किसी पीओआई की अधिकतम कॉल संभालने की क्षमता का निर्धारण एक साथ कितने सेशन संभाले जा सकते हैं और लिंक की बैंडविड्थ कितनी है, इसके आधार पर किया जाएगा। साथ ही, ट्राई के संबंधित नियमों के अनुसार निर्धारित सेवा गुणवत्ता को बनाए रखना होगा।

पीओआई को सरेंडर करने के लिए एक विशिष्ट नियामकीय ढांचा भी पेश किया गया है। इससे पहले नियमों में केवल पीओआई को 'डिस्कनेक्ट' करने का प्रावधान था, जिसका अर्थ पीओआई पर ट्रैफिक का आदान-प्रदान बंद करना था। यह कदम असाधारण परिस्थितियों में दोनों सेवा प्रदाताओं के बीच मतभेदों के कारण एक सेवा प्रदाता द्वारा दूसरे सेवा प्रदाता से जुड़ी वजहों के चलते उठाया जाता है।

वहीं, सरेंडर की प्रक्रिया का उद्देश्य किसी सेवा प्रदाता को अपनी परिचालन जरूरतों के अनुसार स्वेच्छा से पीओआई सरेंडर करने की अनुमति देना है। ऐसा ट्रैफिक में कमी, किसी क्षेत्र से सेवाएं वापस लेने या ट्रैफिक की रूटिंग में बदलाव जैसी परिस्थितियों में किया जा सकता है। इससे वित्तीय दक्षता में सुधार होगा।

मौजूदा बैंक गारंटी ढांचे को बरकरार रखा गया है। हालांकि, पुनर्मूल्यांकन के आधार पर जमा की जाने वाली बैंक गारंटी की वैधता और ऐसे पुनर्मूल्यांकन के बीच की अवधि को छह महीने से बढ़ाकर 12 महीने कर दिया गया है। आईपी आधारित इंटरकनेक्शन सहित पीओआई के लिए बैंक गारंटी की अधिकतम सीमा निर्धारित करने की संशोधित पद्धति भी पेश की गई है।

इंटरकनेक्शन शुल्क या इंटरकनेक्शन उपयोग शुल्क के भुगतान में देरी से निपटने के लिए एक विशेष प्रावधान भी जोड़ा गया है। इसके तहत ब्याज दर सेवा प्रदाताओं की आपसी सहमति से तय होगी, लेकिन यह भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक वर्षीय मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) से दो प्रतिशत अधिक की अधिकतम सीमा से ऊपर नहीं हो सकती।

सिर्फ इंसानों की सेहत नहीं, जानवरों और प्रकृति का स्वस्थ रहना भी जरूरी : डब्ल्यूएचओ



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अक्सर जब हम सेहत की बात करते हैं तो हमारा ध्यान सिर्फ इंसानों की बीमारियों, खानपान और इलाज तक सीमित रहता है। हम अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए अच्छी डाइट लेते हैं, नियमित व्यायाम करते हैं और समय-समय पर डॉक्टर से सलाह भी लेते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि हमारी सेहत का रिश्ता सिर्फ हमारे रहन-सहन और खानपान से नहीं, बल्कि जानवरों और आसपास के पर्यावरण से भी जुड़ा हुआ है?

दरअसल, इंसान, जानवर और प्रकृति एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर इनमें से किसी एक का स्वास्थ्य बिगड़ता है तो उसका असर बाकी सभी पर भी पड़ सकता है। इसी सोच को दुनिया के सामने रखने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) 'वन हेल्थ' यानी एक स्वास्थ्य की अवधारणा पर जोर देता है।

डब्ल्यूएचओ ने आज 'वन हेल्थ डे' पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि 'वन हेल्थ' एक ऐसा एकीकृत नजरिया है, जिसका उद्देश्य इंसानों, जानवरों और पर्यावरण के स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाना और उसे लंबे समय तक बनाए रखना है। इसका मतलब है कि अगर हमें एक स्वस्थ दुनिया बनानी है तो केवल इंसानों की सेहत पर ध्यान देना काफी नहीं होगा। हमें पालतू और जंगली जानवरों, पेड़-पौधों, पानी, हवा और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की सेहत का भी ख्याल रखना होगा। हमारे आसपास मौजूद हर चीज किसी न किसी तरह से हमारी जिंदगी को प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, अगर पीने का पानी दूषित हो जाता है तो इससे इंसानों के साथ-साथ जानवरों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। इसी तरह हवा में बढ़ता प्रदूषण सांस से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। जंगलों की कटाई और प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने से जंगली जानवरों का जीवन प्रभावित होता है। इससे इंसानों और जानवरों के बीच टकराव बढ़ सकता है, जो कुछ संक्रामक बीमारियों के फैलने का कारण बन सकता है। इसलिए इन सभी पहलुओं को अलग-अलग देखने के बजाय एक साथ समझना जरूरी है।

वन हेल्थ की अवधारणा सिर्फ पर्यावरण को बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में भी मददगार है। आज दुनिया के सामने नई संक्रामक बीमारियों का उभरना, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस यानी दवाओं के खिलाफ बैक्टीरिया और दूसरे सूक्ष्मजीवों का प्रतिरोध बढ़ना और खाद्य सुरक्षा जैसी कई चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान तभी बेहतर तरीके से निकाला जा सकता है, जब स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ पशु चिकित्सक, पर्यावरण विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और सरकारी विभाग मिलकर काम करें।

उदाहरण के तौर पर, जानवरों में किसी बीमारी के लक्षण समय रहते पहचान लिए जाएं तो उसके इंसानों तक पहुंचने के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। इसी तरह खाने-पीने की चीजों की साफ-सफाई और सुरक्षा पर ध्यान देकर कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

दवाओं और मेडिकल डिवाइस के आयात के लिए नए गेटवे खोलेगी सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रस्तावित किया संशोधन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में दवाओं, मेडिकल डिवाइस और कॉस्मेटिक्स के आयात को आसान बनाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स नियम, 1945 के नियम 43ए में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इसका मकसद आयात के अधिकृत एंट्री पॉइंट्स का नेटवर्क बढ़ाना है ताकि हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स की सप्लाई चेन मजबूत हो और आयात प्रक्रिया आसान बने।

3 नवंबर को जारी सूचना के अनुसार, ड्रग्स नियम, 1945 का नियम 43ए उन अधिकृत बंदरगाहों, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, सड़क क्रॉसिंग और अन्य एंट्री पॉइंट्स को निर्धारित करता है, जिनके जरिए भारत में दवाओं का आयात किया जा सकता है।

व्यापार को सुविधाजनक बनाने और आयात से जुड़ी प्रक्रियाओं की दक्षता बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने अधिकृत स्थानों की सूची में अतिरिक्त इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी), एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) और एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को शामिल करने का प्रस्ताव रखा है।

प्रस्तावित अतिरिक्त स्थानों में हरियाणा में आईसीडी सोनीपत, पियाला और हरसारू, उत्तर प्रदेश में आईसीडी दादरी, गुजरात में आईसीडी गांधीनगर/मुंद्रा, तेलंगाना के हैदराबाद में आईसीडी सनत नगर और थिम्मापुर, कर्नाटक के बेंगलुरु में आईसीडी व्हाइटफील्ड, कर्नाटक में एसईजेड बोम्मसांद्रा और उत्तर प्रदेश में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (हवाई मार्ग से दवाओं के आयात के लिए) शामिल हैं।

ये स्थान अधिकृत आयात गेटवे के मौजूदा नेटवर्क में जोड़े जाएंगे, जिसमें मध्य प्रदेश के इंदौर में धनाड और तीही स्थित आईसीडी के साथ-साथ दवाओं के आयात के लिए पहले से अधिसूचित हवाई अड्डे शामिल हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इस प्रस्तावित विस्तार से आयातकों को अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, वेयरहाउस और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के करीब खेपों को क्लियर करने में मदद मिलेगी। इससे अंदरूनी परिवहन की दूरी कम होगी, लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और आयातित खेपों की आवाजाही में देरी कम होगी। यह कदम आयातकों के लिए परिचालन सुविधा को भी बढ़ाएगा और देश के विभिन्न क्षेत्रों में दवाओं, मेडिकल डिवाइस और कॉस्मेटिक्स की अधिक कुशल आवाजाही को सुविधाजनक बनाएगा।

इस प्रस्तावित संशोधन के माध्यम से मंत्रालय हेल्थकेयर उत्पादों के आयात के लिए सहायक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कारोबार में सुगमता को बढ़ावा देने और अधिक कुशल और उत्तरदायी सप्लाई चेन में योगदान करने का प्रयास कर रहा है, जिससे आवश्यक हेल्थकेयर उत्पादों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

प्रस्तावित संशोधन पर यदि कोई आपत्ति या सुझाव है, तो उसे अवर सचिव (ड्रग्स रेगुलेशन), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को या ईमेल के जरिए भेजा जा सकता है। ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को आधिकारिक गजट के लिंक पर देखा जा सकता है।

पश्चिम एशिया तनाव से फिर उछला कच्चा तेल, ईरान पर अमेरिकी कार्रवाई की खबर से बढ़ी सप्लाई की चिंता

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में एक बार फिर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गई। यह तेजी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी सेना ने ईरान के केशम द्वीप पर कार्रवाई की है, जिससे क्षेत्रीय संघर्ष के और गहराने तथा ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने की आशंकाएं बढ़ गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 2.23 प्रतिशत बढ़कर 107.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 2.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.62 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखाई दिया। कीमतों में यह उछाल ऐसे समय आया है जब पिछले कारोबारी सत्र में तेल बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। सोमवार को ब्रेंट क्रूड 8.66 डॉलर या 7.6 प्रतिशत टूटकर 104.77 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना ने केशम द्वीप को निशाना बनाया। कुछ अधिकारियों ने इस अभियान को रक्षात्मक कार्रवाई बताया है, जिसका उद्देश्य ईरान की उस क्षमता को सीमित करना है जिसके जरिए वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरा पैदा कर सकता है।





















राज्योत्सव के जश्न के बीच अंधेरे में डूबा है सिटी ग्राउंड

बंद हाईमास्ट लाइटों ने खोली सिस्टम की पोल, सवालों के घेरे में आई कार्यक्रम स्थल की प्रकाश व्यवस्था

विश्व केसरी



जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के आयोजन के बीच जगदलपुर के सिटी ग्राउंड की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। राज्योत्सव जैसे महत्वपूर्ण आयोजन के दौरान सिटी ग्राउंड परिसर में स्थापित हाईमास्ट लाइटें बंद नजर आ रही हैं। रात के समय आयोजन स्थल की तस्वीरें सामने आने के बाद विद्युत व्यवस्था और संबंधित विभाग की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं।

एक ओर राज्योत्सव के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा, उपलब्धियों और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शहर के प्रमुख आयोजन स्थल पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था का अभाव सिस्टम लापरवाही की ओर संकेत कर रहा है। सिटी ग्राउंड में कई स्थानों पर हाईमास्ट लाइटों के खंभे स्थापित हैं, लेकिन तस्वीरों में इनके प्रकाश की व्यवस्था बंद दिखाई दे रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि राज्योत्सव की तैयारियों के दौरान संबंधित अधिकारियों ने विद्युत व्यवस्था का निरीक्षण किया था या नहीं? यदि लाइटें खराब थीं तो आयोजन से पहले उनकी मरम्मत क्यों नहीं कराई गई?

सुरक्षा और सुविधा का सवाल

बड़े आयोजनों में प्रकाश व्यवस्था केवल सुंदरता या सजावट का विषय नहीं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा से भी जुड़ी होती है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने से आवागमन, पार्किंग और परिसर में आवाजाही करने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है। ऐसे में आयोजन स्थल की सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।सिटी ग्राउंड में स्थापित हाईमास्ट लाइटों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी किस विभाग या एजेंसी के पास है? क्या आयोजन से पहले सभी लाइटों की तकनीकी जांच कराई गई थी? यदि लाइटें खराब हैं तो उन्हें सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? इन सवालों पर संबंधित विभाग की ओर से स्थिति स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।

राज्योत्सव जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में छोटी-बड़ी सभी व्यवस्थाओं पर प्रशासन की निगरानी जरूरी है। आयोजन की भव्यता के साथ बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता भी सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि शहरवासियों और बाहर से आने वाले अतिथियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। अब देखना होगा कि तस्वीरों के माध्यम से सामने आई इस समस्या पर संबंधित विभाग कब संज्ञान लेता है और सिटी ग्राउंड की बंद पड़ी हाईमास्ट लाइटों को कब तक दुरुस्त कराता है?

चारामा में बस्तर ओलंपिक का भव्य शुभारंभ, खेल प्रतिभाओं को मिलेगा आगे बढ़ने का अवसर



विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं युवाओं में खेल के प्रति उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से चारामा में बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ किया गया। खेलों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों की छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने की दिशा में यह एक अत्यंत सराहनीय पहल है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद अध्यक्ष जागेश्वरी भास्कर, नगर पंचायत अध्यक्ष भुनेश्वर नागराज, एल्डरमेन उमा देवी शर्मा, पूर्व पार्षद धर्मेन्द्र कुंजाम, ग्राम दरगाहन के सरपंच, भाजपा आईटी सेल के अंकित जैन एवं भाजपा युवा मोर्चा के महामंत्री प्रियेश सेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बस्तर ओलंपिक के माध्यम से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा। खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं।

इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करना तथा खेल संस्कृति को मजबूत बनाना है। निश्चित रूप से बस्तर ओलंपिक आने वाले समय में क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बस्तर की प्रतिभाओं को पहचान, युवाओं को नया मंच और खेलों को नई उड़ान देने की दिशा में बस्तर ओलंपिक एक सराहनीय पहल है।

धनतेरस के इन 5 चीजों को, खूब बढ़ेगा धन, मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर का होगा घर में वास

विश्व केसरी



कांकेर (सीताराम शर्मा)। धनतेरस का पर्व देशभर में 06 नवंबर 2026 शुक्रवार के दिन मनाया जाएगा। धनतेरस का पर्व सुख, समृद्धि का पर्व है। इस दिन मां लक्ष्मी, भगवान धनवंतरी और कुबेर जी की पूजा अर्चना करने से व्यक्ति को दोगुना मुनाफा मिलता है। इस दिन सोना चांदी आदि खरीदने का विशेष महत्व बताया गया है लेकिन, इनके अलावा 5 चीजें ऐसी है जो हर व्यक्ति को धनतेरस के दिन जरुर खरीदकर अपने घर लानी चाहिए। इन चीजों की खरीदारी करने से आपके घर में सालभर तक माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर का वास रहेगा। आइए जानते हैं धनतेरस पर क्या खरीदें। धनतेरस को लेकर कहा जाता है कि इस दिन आप जो भी खरीदते हैं उसका कई गुना लाभ व्यक्ति को मिलता है। धनतेरस का पर्व इस बार 06 नवंबर को मनाया जाएगा। धनतेरस पर वैसे तो कई लोग सोना चांदी आदि की खरीदारी करते हैं लेकिन, क्या आप जानते हैं सोना चांदी के अलावा भी आप धनतेरस पर 11 रुपए में 5 चीजों की खरीदारी कर सकते हैं और इन 5 चीजों की खरीदारी करने से आपके घर में माता लक्ष्मी का वास होगा और उनकी कृपा दृष्टि हमेशा आप पर बनी रहेगी। आइए जानते हैं धनतेरस पर सोना चादी के अलावा किन 5 चीजों की खरीदारी है जरुरी।

पटवारियों की मांगें जल्द पूरी करे सरकारः अधिवक्ता अवधेश कुमार

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उठाई जा रही आवाज का छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग ने समर्थन किया है।

कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश महासचिव एवं बस्तर संभाग प्रभारी वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश कुमार झा ने कहा है कि राजस्व विभाग शासन-प्रशासन की एक महत्वपूर्ण एवं आधारभूत इकाई है। राजस्व पटवारी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आम जनता और शासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। भूमि संबंधी अभिलेखों का संधारण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, गिरदावरी, फसल संबंधी जानकारी, राजस्व सर्वेक्षण तथा प्राकृतिक आपदा के समय क्षति का आकलन जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन पटवारियों द्वारा किया जाता है। झा ने कहा कि राजस्व व्यवस्था को सुचारु एवं पारदर्शी बनाए रखने में पटवारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर किसानों की समस्याओं के निराकरण तक पटवारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे में उनके कार्य की प्रकृति,



कार्यभार,जिम्मेदारियों एवं वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उनकी जायज मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना आवश्यक है।अवधेश कुमार झा ने कहा कि किसी भी कर्मचारी संगठन द्वारा अपनी न्यायसंगत मांगों को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से शासन के समक्ष रखना उनका अधिकार है। कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों की अनदेखी करने के बजाय सरकार को उनके साथ सकारात्मक संवाद स्थापित कर समाधान की दिशा में पहल करनी चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता

अवधेश कुमार झा ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक एवं गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उनके निराकरण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। पटवारियों को कार्य के अनुरूप आवश्यक संसाधन, सुविधाएं एवं सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे बिना किसी अनावश्यक दबाव के आम जनता को बेहतर राजस्व सेवाएं प्रदान कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव कर्मचारियों, किसानों, श्रमिकों एवं आम नागरिकों के अधिकारों और हितों की पक्षधर रही है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग पटवारी संघ की न्यायोचित मांगों के समर्थन में उनके साथ खड़ा है। सरकार को चाहिए कि टकराव की स्थिति निर्मित होने से पहले संगठन के प्रतिनिधियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं का व्यावहारिक एवं न्यायसंगत समाधान निकाले।

सीसीटीवी में कैद हुई चाकूबाजी की वारदात, 12 घंटे में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

विश्व केसरी



कांकेर (सीताराम शर्मा)। शहर में चाकूबाजी की सनसनीखेज वारदात से दहशत फैलाने वाले हिस्ट्रीशीटर को सिटी कोतवाली पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुरानी रंजिश के चलते युवक पर जानलेवा हमला करने की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए आरोपी की तलाश शुरू की और उसे भंडारीपारा से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार संजयनगर निवासी शानो आनंद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 2 नवंबर की रात करीब 11 बजे महादेव वार्ड निवासी अनमोल सारथी उसके घर पहुंचा और उसके बेटे आयुष आनंद से पुरानी बातों को लेकर विवाद करने लगा। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और मारपीट तक पहुंच गया। इसी दौरान आरोपी ने जेब से धारदार चाकू निकालकर जान से मारने की नीयत से आयुष के पेट और कमर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में युवक लहूलुहान होकर घायल हो गया, जबकि आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया।

घटना की गंभीरता और शहर में वायरल हो रहे सीसीटीवी फुटेज को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा (आईपीएस) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी हरीश पाटील के पर्यवेक्षण में तत्काल पुलिस टीम गठित की गई। थाना प्रभारी जितेन्द्र साहू के नेतृत्व में पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी अनमोल सारथी पिता स्व. ईश्वर सारथी (21 वर्ष) को भंडारीपारा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया धारदार चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी आदतन अपराधी एवं हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ पूर्व में आर्म्स एक्ट, पॉक्सो एक्ट, मारपीट और धमकी सहित चार गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अंतागढ़ में बस्तर ओलंपिक का उत्साह चरम पर, विभिन्न खेल स्पर्धाओं में खिलाड़ी दिखा रहे दमखम

विश्व केसरी



अंतागढ़ (डम्पी खान)। ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतागढ़ के उन्मुक्त खेल मैदान में बस्तर ओलंपिक 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। विभिन्न आयु वर्गों के बालक-बालिकाएं, महिला एवं पुरुष खिलाड़ी पूरे जोश और उमंग के साथ विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। बस्तर ओलंपिक के अंतर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराटे एवं रस्साकशी सहित अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। वहीं एथलेटिक्स में 100, 200 एवं 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक और रिले दौड़ जैसी स्पर्धाएं खिलाड़ियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग के 14 से 17 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं के साथ सीनियर महिला एवं पुरुष वर्ग के खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं। सभी खिलाड़ी पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

56 ग्राम पंचायतों को 5 जोन में बांटकर हुआ आयोजन

जनपद पंचायत अंतागढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) प्रफुल्ल गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए विकासखंड की 56 ग्राम पंचायतों को पांच जोन में विभाजित कर अलग-अलग खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत महाविद्यालय में हुआ युवा संवाद कार्यक्रम

विश्व केसरी



चारामा (संदीप मेश्राम)। भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल चारामा द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत शहीद गैंद सिंह महाविद्यालय चारामा में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं, राष्ट्रहित एवं समसामयिक राजनीतिक विषयों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कन्याशक्ति संयोजिका शिल्पा साहू उपस्थित रहीं। वहीं विशेष अतिथि के रूप में भाजपा मंडल महामंत्री संतोष नाहर, कार्यक्रम प्रभारी टीकम तरम, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अंकित जैन, युवा मोर्चा मंडल महामंत्री प्रियेश सेन एवं रुपेश देवांगन तथा वेदव्यास जुर्री सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य वक्ता शिल्पा साहू ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक नागरिकों और जिम्मेदार युवा पीढ़ी पर निर्भर करती है। युवाओं को देश की राजनीतिक परिस्थितियों, संवैधानिक संस्थाओं एवं राष्ट्रीय हितों से जुड़े विषयों की सही जानकारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रामक प्रचार और गलत जानकारियों से सावधान रहते हुए युवाओं को तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर अपनी सोच विकसित करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि युवा केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी ताकत हैं। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए प्रत्येक युवा को लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक मर्यादाओं और राष्ट्रहित के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में युवाओं से राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। युवा संवाद कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं को सामाजिक एवं राष्ट्रीय विषयों पर अपनी समझ विकसित करने का संदेश दिया गया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में चारामा ब्लॉक का शानदार प्रदर्शन, नुक्कड़ नाटक में प्रथम स्थान

विश्व केसरी



चारामा (संदीप मेश्राम)। जिला स्तरीय युवा उत्सव में चारामा ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करते हुए शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के प्रतिभागियों ने नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में टीम ने 'नशामुक्त युवा, शिक्षित युवा, विकसित युवा' शीर्षक से प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने, सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा सामाजिक जागरूकता अपनाने का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय एवं प्रभावशाली संवादों के माध्यम से दर्शकों को जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया। इस नुक्कड़ नाटक का निर्देशन एवं मार्गदर्शन आईटीआई चारामा के प्रशिक्षण अधिकारी विनोद कुमार ध्रुव द्वारा किया गया। नाटक में संस्थान के प्रशिक्षु गुलशन ठाकुर, नवदीप, युगल किशोर, झामेंद्र, करण गोटा, अरमान अली, योगेश्वर, दिवाकर, साहिल, राहुल एवं कुलदीप जुर्री ने अपने अभिनय का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ ही टीम ने आगामी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में अपनी प्रस्तुति देने के लिए स्थान सुनिश्चित किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी के के गंजीर सर, और संस्था के प्राचार्य विजिया मंडावी एवं समस्त प्रशिक्षण अधिकारियों ने पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251